छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

अक्टूबर 2024 | वर्ष 21 | अंक 04





नये अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव

मेरा घर पीएम सूर्यघर

दर्ज कराना है छत्तीसगढ़ का **बड़ा योगदान**

पारेषण क्षमता में विकास के नये प्रतिमान



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

	नवम्बर 2000	जुलाई 2024
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्दों की संख्या	27 नग	135 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट कि.मी.	14,217 सर्किट कि.मी.
400 केवी उपकेन्द	1	4
400 केवी उपकेन्द की क्षमता	945 एमवीए	3,150 एमवीए
400 केवी लाइन	277	1,918
220 केवी उपकेन्द	5	27
220 केवी उपकेन्द की क्षमता	1,350 एमवीए	10,640 एमवीए
220 केवी लाइन	1594.30	4,151
132 केवी उपकेंद्र	20	104
132 केवी उपकेंद्र की क्षमता	1,257	11,827
132 केवी लाइन	2,974	8,148
33/11 केवी उपकेन्द्र	248 नग	1,436
33/11 केवी उपकेंदों की क्षमता	1,033 एम. वी. ए.	9,800 एम. वी. ए.
33 केवी लाइन	6,988 सर्किट कि.मी.	25,584
11/04 केवी उपकेन्द की संख्या	29,692 नग	2,36,102
11/04 केवी उपकेन्द की क्षमता	1,951 एम. वी. ए.	13745 एम. वी. ए.
11 केवी लाइन	40,556 कि.मी.	1,36,582
निम्न दाब लाइन	51,314 कि.मी.	2,34811
उपभोक्ताओं की संख्या निम्न दाब	18,90,998	63,81921
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	3,956
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,61,132
अस्थायी पंपों की संख्या	–	2,01,961
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,588
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	6,372 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.की गृह पत्रिका

संकल्प

अक्टूबर 2024 | वर्ष - 21 | अंक-4

संरक्षक



डॉ. रोहित यादव IAS
मान. अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण कंपनी



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
वितरण कंपनी

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी,
छाया : संजय टेम्बे
कार्यालय सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर

फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

क्रम





नए अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने संभाला कार्यभार	02
जिला परिक्रमा : जशपुर में विद्युत अधोसंरचना विस्तार	05
छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान दर्ज कराना है	06
प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना	09
छत्तीसगढ़ की विद्युत प्रणाली को साइबर हमले से बचाने	10
साहस और प्रौद्योगिकी कौशल का अनूठा प्रयोग 'ईआरएस'	11
पारेषण क्षमता में विकास के नये प्रतिमान	13
सफलता का मंत्र : ...इस लिए मिला राज्य स्तरीय सम्मान	20
मेरा संस्थान-मेरी शान : 4 केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर	22
परिचयावली	23
Power Sector Round up - 3	24
बिजली की कहानी	30

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के नए अध्यक्ष

डॉ. रोहित यादव ने संभाला कार्यभार

- अब विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता हमारी प्राथमिकता
- बेहतर टीमवर्क से श्रेष्ठ कार्य निष्पादन का लक्ष्य





छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के नवागत अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने 4 अक्टूबर को पूर्वाह्न विद्युत सेवा भवन में कार्यभार ग्रहण किया। वे 2002 बैच के वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी हैं, उन्हें ऊर्जा विभाग के सचिव के साथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। हाल ही में वे प्रधानमंत्री कार्यालय से प्रतिनियुक्ति से लौटे हैं, उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बनाने की बात कही।

नवागत अध्यक्ष डॉ. यादव का स्वागत विद्युत सेवाभवन के सभागार में किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक उत्पादन श्री एस.के. कटियार, प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री राजेश कुमार शुक्ला, प्रबंध निदेशक (वितरण) श्री भीमसिंह कंवर ने सर्वप्रथम डॉ. यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री वी.के. साय, के.एस. मनोठिया, संजय पटेल, एम.एस. चौहान, जे.एस. नेताम, आर.सी. अग्रवाल, डी.के. तुली, श्रीमती ज्योति नंनोरे, मुख्य अभियंता श्री जी. आनंद राव, के.के. भगत, टी.के. मेश्राम, एम. जामुलकर, राजेंद्र प्रसाद, शिरिष सेलट, महाप्रबंधक (वित्त) वाई.वी. जैन, अति मुख्य अभियंता एम.डी. बड़गईया, आई.आर.ओ. गोपाल खण्डेलवाल, अधीक्षण अभियंता मनोज वर्मा के साथ अभियंता संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने स्वागत किया।

डॉ. यादव ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात् अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आई.ए.एस. अधिकारी के रूप में छत्तीसगढ़ में आने के बाद उनकी सबसे पहली पोस्टिंग दंतेवाड़ा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के रूप में हुई। तब दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा मिलाकर एक ही जिला था। वहां से दूसरे छोर सरगुजा में कलेक्टर बन कर गया तब बलरामपुर, सूरजपुर आदि सरगुजा जिले के ही अंग थे। इसके पश्चात् राजनांदगांव और रायपुर में भी कलेक्टर रहा। प्रदेश में सचिव के रूप में कार्य करने के पश्चात् केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के पी.एस. के रूप में भारत सरकार पहुंचा और पी.एस. रहने के पश्चात् कुछ समय इस्पात मंत्रालय में भी सेवाएं दी। उस समय वे छत्तीसगढ़ भी आये थे। वे नगरनार का स्टील प्लांट देखने गये और किरंदुल, बचेली के प्लांट को देखे। तत्पश्चात् वे 5 वर्षों से प्रधानमंत्री कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वहां पर वे 13 मंत्रालय देखते थे, जिनमें से 2 मंत्रालय यहां से संबंधित थे पहला मिनिस्टरी ऑफ पॉवर और दूसरा मिनिस्टरी ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी। इससे पॉवर सेक्टर की बहुत सी जानकारियां प्राप्त हुई।

डॉ. यादव ने कहा कि जब वे राज्य में आए थे तब इसे सी.एस.ई.बी के नाम से जानते थे और उस समय से ही सीएसईबी का एक बहुत अलग और अच्छा रेपुटेशन था। इस विभाग को काफी अच्छी निगाहों, अच्छी नजरों से देखा जाता था। किसी विभाग की पहचान उसके अच्छे रिकॉर्ड से होती है।

उन्होंने कहा- छत्तीसगढ़ को पॉवर सरप्लस स्टेट के रूप में पूरे देश में पहचाना जाता है। केंद्र सरकार में ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की किसी भी बात का वजन होता है। मुझे उम्मीद है कि आगे हम सब मिलकर एक टीम की तरह काम करेंगे और अच्छा प्रदर्शन करके दिखाएंगे।

उन्होंने कहा- छत्तीसगढ़ में ऊर्जा के क्षेत्र में हमने बहुत सारा काम कर लिया है और आगे बहुत सारा काम करना है क्योंकि भविष्य में ऊर्जा की मांग पूरे देश ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ में भी बड़े स्तर पर बढ़ने वाली है इसलिए बड़े स्तर पर विस्तार की कार्ययोजना पर काम चल रहा है चाहे वह थर्मल प्लांट या फिर हाइडल का हो या रिन्यूबल एनर्जी की हो। भारत सरकार बहुत ज्यादा उत्सुक है कि हम अपने राज्य में नई तकनीकों को लेकर आएं और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएं। इसके लिए भारत सरकार मदद करने, वित्तीय सहायता हो या फिर कंसल्टेंसी हो, वह उपलब्ध कराने तैयार है।

डॉ. यादव ने कहा- मुझे लगता है कि हमारे पास चुनौतियां भी बहुत अधिक हैं। अब क्वालिटी ऑफ पॉवर की बात होने लगी है, पहले हम क्वांटिटी ऑफ पॉवर की बात करते थे। अब हमें क्वालिटी ऑफ पॉवर पर ध्यान देना है। इसके लिए वृहद स्तर पर रिफार्म करना है। स्मार्ट मीटर, नई योजना पीएम सूर्यघर योजना पर काम चल रहा है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक व मुख्य अभियंता गण तथा बड़ी संख्या में अधिकारीगण उपस्थित थे। स्वागत समारोह का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

» स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर का अवलोकन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के नवागत अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कार्यभार संभालने के दूसरे दिन 5 अक्टूबर को स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर का अवलोकन किया। वहां की कार्यप्रणाली के साथ ही प्रदेश में विद्युत उत्पादन, पारेषण तथा वितरण में इस सेंटर की भूमिका के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर

जीवन परिचय



डॉ. रोहित यादव

सचिव ऊर्जा,
छत्तीसगढ़ शासन
एवं
अध्यक्ष,
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

- जन्म-7 जुलाई 1976
- जन्मस्थान - कानपुर (उत्तर प्रदेश)
- शिक्षा - एम.बी.बी.एस.
- सेवाप्रारंभ - 2002 बैच के आई.ए.एस.अधिकारी छत्तीसगढ़ कॉडर आबंटित
- अनुभव - सी .ई. ओ. जिला पंचायत (अविभाजित दंतेवाड़ा जिला)
  - -कलेक्टर (अविभाजित सरगुजा जिला)
  - -कलेक्टर (अविभाजित राजनांदगांव जिला)
  - -कलेक्टर (रायपुर जिला)
  - -संयुक्त सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय)
  - -सचिव (नगरीय प्रशासन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)
  - - एम.डी. (छत्तीसगढ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर कार्पोरेशन)
  - -सेंट्रल डेपुटेशन (केंद्रीय वाणिज्य मंत्री, भारतसरकार, 2017)
  - -संयुक्त सचिव (इस्पात मंत्रालय,भारतसरकार, 2019)
  - -संयुक्त सचिव (प्रधानमंत्री कार्यालय, 2020)
- विशेषज्ञता-वृहद प्रशासनिक कार्यानुभव के अतिरिक्त अधोसंरचना जैसे-नगरीय विकास, सड़क, इस्पात, ऊर्जा में राज्य शासन से लेकर केंद्र शासन तक योगदान।

प्रधानमंत्री कार्यालय में 13 मंत्रालयों की फ्लैगशिप स्कीम्स की मॉनिटरिंग

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला, कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिन्होंने प्रदेश में विद्युत की मांग तथा आपूर्ति के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ भार प्रेषण केंद्र का मुख्य केंद्र डंगनिया में स्थित है, जहां से पूरे प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की पारेषण प्रणाली नियंत्रित की जाती है। पूरा देश पांच ग्रिड में संचालित है, जिसमें से छत्तीसगढ़ डब्ल्यू.आर.पी.सी. (पश्चिम क्षेत्र) में आता है। पश्चिम क्षेत्र में विद्युत की पारेषण प्रणाली छत्तीसगढ़ समेत गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, दमन एवं दीव राज्य से जुड़ी हुई है, जिसके साथ समन्वय करके विद्युत पारेषण तंत्र संचालित होता है। उन्होंने बताया कि दिनभर में 96 स्लाट में विद्युत आपूर्ति का प्रबंधन हर 15-15 मिनट के अंतरात में किया जाता है। इस दौरान विद्युत की मांग और उत्पादन के आधार पर आपूर्ति की जाती है। नवनियुक्त अध्यक्ष ने पारेषण तंत्र के दौरान आने वाली चुनौतियों पर भी जानकारी ली। इस अवसर पर भार प्रेषण केंद्र के कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया, अति. मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, वितरण कंपनी के पॉवर मैनेजमेंट विभाग से अति. मुख्य अभियंता श्री एस.के. गजपाल, अधीक्षण अभियंता श्री विवेक अवस्थी, एस.एल.डी.सी. से श्री संजय चौधरी, श्री अभिषेक जैन, एवं कार्यपालन अभियंता श्री जी.पी. सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

» मुख्यालय में तीनों कंपनियों की बैठक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के मुख्यालय 'विद्युत सेवाभवन' में अध्यक्ष डॉ. यादव ने उत्पादन, पारेषण तथा वितरण कंपनियों की पृथक-पृथक बैठकें ली। तीनों कंपनियों द्वारा पॉवर प्वाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी-अपनी कार्यप्रणाली, लक्ष्यों एवं समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया।

» पारेषण कंपनी की बैठक

पारेषण कंपनी की बैठक में प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने प्रदेश में पारेषण प्रणाली में चल रहे विकास व निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी पारेषण क्षमता 3600 मेगावाट है, जो प्रदेश की विद्युत आपूर्ति की जरूरतों के लिये पर्याप्त है, भविष्य की मांग को देखते हुए हम लगातार इसे बढ़ा रहे हैं। डॉ. यादव ने अधिकारियों को दूरदर्शितापूर्ण कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कंपनी में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री के.एस. मनोठिया, संजय पटेल, एम.एस. चौहान, आर.सी. अग्रवाल,डी.के. तुली, मुख्य अभियंता श्री ए.के. अंबस्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

» उत्पादन कंपनी की बैठक

अध्यक्ष डॉ. यादव ने अपराह्न के बाद जनरेशन कंपनी के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार उपस्थित थे। श्री कटियार ने बताया कि वर्तमान में हमारी विद्युत उत्पादन क्षमता 2978.7 मेगावाट है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने बीते वित्तीय वर्ष में देशभर के विद्युत गृहों में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को पहली रैंकिग प्रदान की थी। यह देशभर के विद्युत गृहों के औसत पी.एल.एफ. 69.07 की तुलना में 84.45 प्रतिशत दर्ज किया गया। उन्होंने निर्माणधीन सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट कोरबा 1320 मेगावाट और पंप स्टोरेज तकनीक के हाइडल प्रोजेक्ट की भी जानकारी प्रदान की। डॉ. यादव ने उत्पादन कंपनी के अधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए टीमवर्क के साथ कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एम.एस. कंवर, सी.एल. नेताम, महाप्रबंधक श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य,मुख्य अभियंता सर्वश्री एम.आर. बागड़े, रजनीश जांगड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

» वितरण कंपनी की बैठक

अध्यक्ष डॉ.रोहित यादव ने विद्युत वितरण कंपनी के शीर्ष अधिकारियों की बैठक दोपहर बाद ली। बैठक में प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 63 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं, जिन्हें वितरण कंपनी विद्युत आपूर्ति करती है। प्रदेश में आठ क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो सरगुजा से बस्तर तक फैले हुए हैं। उन्होंने भविष्य की प्रस्तावित योजनाओं और उनकी कार्य प्रगति की भी जानकारी दी। इसमें डॉ. यादव ने मैदानी अमले को उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री जे.एस.नेताम, संदीप वर्मा, मुख्य अभियंता राजेंद्र प्रसाद, एस.आर.बी. खंडेलवाल. एम.डी. बड़गईया एवं एम.एन. परियल आदि उपस्थित थे।



जशपुर जिले में विद्युत अधोसंरचना का विस्तार

जशपुर जिले में जनवरी 2024 से लेकर सितंबर 2024 तक 33/11 के.वी. क्षमता के 3 उपकेंद्र, 2 पॉवर ट्रांसफॉर्मर, 140 वितरण ट्रांसफॉर्मर, 33 के.वी. क्षमता की 29.60 किलोमीटर लाइन, 11 के.वी. क्षमता की 94.51 किलोमीटर लाइन, निम्नदाब की 112.91 किलोमीटर लाइन, कृषि सिंचाई पंप कनेक्शन के 179 कार्य, मजराटोला विद्युतीकरण के 4 कार्य, मजराटोला विद्युतीकरण नये कनेक्शन के 235 कार्य, पी.एम. जनमन योजना के अंतर्गत नये कनेक्शन के 1450 कार्य तथा हाथी प्रभावित ग्रामों में विद्युत लाइनों की ऊंचाई बढ़ाने के 253 किलोमीटर के कार्य स्वीकृत किए गए।

इनमें से अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। जशपुर जिले के विकासखण्ड कुनकुरी के ग्राम कुंजारा में 251.28 लाख रू. की लागत से 33/11 के.वी. उपकेन्द्र के निर्माण का कार्य 27 मार्च को पूर्ण किया गया है। इस उपकेन्द्र में 01 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 04 फीडर निकलते हैं। जिसमें वर्तमान में कुल 23 ग्रामों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है इससे इन ग्रामों के लगभग 3850 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

जशपुर जिले के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम दोकड़ा में 208.81 लाख रू. की लागत से 1 नग 33/11 के.वी. उपकेन्द्र के निर्माण का कार्य 13 अगस्त को पूर्ण किया गया है। इस उपकेन्द्र में 01 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 03 फीडर निकलते हैं। जिसमें वर्तमान में कुल 25 ग्रामो को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है इससे इन ग्रामों के लगभग 3500 से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

ग्राम साहीडांड में नवनिर्मित 33/11 के.वी. उपकेन्द्र में 01 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 03 फीडर निकलते हैं। जिसमें वर्तमान में कुल 22 ग्रामो को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है इससे इन ग्रामों के लगभग 4270 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

33/11 के.वी. उपकेन्द्र गिरांग में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की गई है जिससे गिरांग उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 के.वी. फीडरों में और अधिक गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो रही है।

जशपुर जिले के 140 ग्रामों में लो-वोल्टेज की समस्या चिन्हित की गई है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए वर्तमान में सभी ग्रामों में अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित करने का प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है तथा अभी तक 122 ग्रामों में ट्रांसफार्मर स्थापित कर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष के कार्य प्रगति पर है। नये उपकेन्द्र के निर्माण हेतु 29.60 कि.मी. 33 के.वी. लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है। वैकल्पिक व्यवस्था हेतु 46.76 कि.मी. 11 के.वी. लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है।

जशपुर जिले के विभिन्न ग्रामों में लो-वोल्टेज की समस्या के स्थायी निराकरण हेतु 109.88 कि.मी. एलटी लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है। जशपुर जिले के 164 नग कृषि उपभोक्ताओं को कृषि सिंचाई पंप हेतु विद्युत लाइन का विस्तार कर विद्युत कनेक्शन प्रदाय किया गया है। जशपुर जिले में विकासखण्ड पत्थलगांव के अतंर्गत ग्राम कुकरगांव के अविद्युतीकृत मजराटोलों में एल.टी. लाइन का विस्तार का कार्य पूर्ण किया गया है। जशपुर जिले में 235 नग अविद्युतीकृत बी.पी.एल. परिवारों को 1 जनवरी से 31 अगस्त तक विद्युत कनेक्शन प्रदाय कर दिया गया है।

जशपुर जिले में पी.एम. जनमन योजना के तहत् विशेष पिछड़ी जनजाति के 655 नग अविद्युतीकृत बी.पी.एल. परिवारों को 1 जनवरी से 31 अगस्त तक विद्युत कनेक्शन प्रदाय कर दिया गया है। जशपुर जिले में हाथी प्रभावित ग्रामों में 120.20 कि.मी. विद्युत लाइनों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य किया गया है।

बिजली की रूकावट (एफ.ओ.सी.) तथा लाइन संधारण कार्य के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर 72 कर्मचारियों की गैंग की व्यवस्था आउटसोर्सिंग के माध्यम से की गई है। जिससे मानसून के दौरान आने वाली शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया और बेहतर संधारण कार्य से विद्युत आपूर्ति में बाधाओं का निराकरण सुनिश्चित किया गया।

जशपुर जिले में नियमित रूप से विद्युत विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल पर अधीक्षण अभियंता (वृत्त) कुनकुरी, कार्यपालन अभियंता (संचारण एवं संधारण) कुनकुरी, कार्यपालन अभियंता (एस.टी.एम.) कुनकुरी, कार्यपालन अभियंता (सतर्कता) कुनकुरी, सहायक अभियंता (उप-संभाग) तपकरा, कनिष्ठ अभियंता (वितरण केंद्र) कुनकुरी शहर और सहायक अभियंता (उप-भण्डार) कुनकुरी में नए विद्युत कार्यालयों को स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसमें से सहायक अभियंता (उप-भण्डार) कुनकुरी विद्युत कार्यालय 26 सितंबर से संचालित है।

छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान दर्ज कराना है



प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार की बहुत ही महत्त्वपूर्ण योजना है जिसका पर्यावरण, सामाजिक, आर्थिक, विद्युत प्रणाली के साथ ही आम जनजीवन के हितों से गहरा जुड़ाव है।

पूरी दुनिया में जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की मुहिम चल रही है इसमें छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान दर्ज कराना है। ताप ऊर्जा पर निर्भरता कम करना है। अक्षय ऊर्जा को बढ़ाना है। सौर ऊर्जा को सामान्य गृहस्थों की पहुंच में लाना है तो इसके लिए यह योजना एक वरदान है।

1 से 3 किलोवॉट तक के सोलर प्लांट के लिए 30 हजार से 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। 3 किलोवॉट के सोलर प्लांट से महीने में 300 यूनिट निःशुल्क बिजली मिलेगी।

वेंडर्स तथा बैंकर्स को कंज्यूमर फ्रेंडली रहने की हिदायत दी गई है ताकि 7 प्रतिशत की आसान ब्याज दर पर लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। हम चाहेंगे कि व्यापक जन भागीदारी से वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य पूरा किया जाए।

- डॉ. रोहित यादव

अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

योजना को जन-जन तक पहुंचाने मुख्यालय से मैदानी कार्यालयों तक कार्यशालाओं का दौर

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी, रायपुर में

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत छत्तीसगढ़ में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 25 हजार घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित करने के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन प्रारंभ किया गया। प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी श्री भीम सिंह कंवर ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूरे प्रदेश से आये मैदानी अभियंताओं से इस योजना को सफल बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर लोगों को जागरूक करने तथा निर्बाध कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए लक्ष्य पूरा करने का आव्हान किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड एवं आर ई सी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, धमतरी जिलों में मैदानी स्तर पर पदस्थ कार्यपालन अभियंताओं एवं अधीक्षण अभियंताओं को योजना से संबंधित जानकारी प्रदाय करने हेतु कार्यशाला का आयोजन गुढियारी रायपुर स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में किया गया। कार्यशाला में प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह द्वारा मार्गदर्शन किया गया एवं मैदानी अधिकारियों को तेजी से कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। कार्यशाला में विशेष रूप से उपस्थित आर ई सी लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक श्री प्रदीप फेलोज द्वारा बताया गया कि इस महती योजना हेतु भारत सरकार ने पूरे देश में 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किये जाने हेतु योजनांतर्गत प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी आर ई सी टीम के माध्यम से दी गई।

कार्यशाला में सौर उर्जा के उपयोग को बढावा देने हेतु राज्य में ओपन एक्सेस अंतर्गत सौर संयंत्र स्थापना की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी श्री रंजीत एवं रेसीडेसियल कालोनी एवं काम्पलेक्स हेतु सौर संयंत्र लगाये जाने संबंधी वर्चुवल नेट मीटरिंग एवं ग्रुप नेट मीटरिंग की जानकारी श्री रॉबिन गुप्ता द्वारा दी गई। उपस्थित मैदानी अधिकारियों द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला के आयोजन की सराहना की गई एवं उच्च अधिकारी द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के अनुरूप अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया गया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से कार्यपालक निदेशक श्री आर. ए. पाठक (आर ए/पी एम), कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा (रायपुर क्षेत्र), मुख्य अभियंता डी. एस. भगत केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, मुख्य अभियंता (परियोजना), बडगैय्या मुख्य अभियंता (संचा एवं संधा) श्री राजेन्द्र प्रसाद श्री एम. डी., अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी. व्ही. सजीव के साथ-साथ मैदानी स्तर के विभिन्न जिलों आये अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे। कार्यशाला का सफल संचालन सोलर सेल से श्री बिम्बिसार अधीक्षण अभियंता द्वारा किया गया।





राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सुचारू क्रियान्वयन तथा समय पर लक्ष्य पूरा करने के लिये 3 अक्टूबर को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अधीक्षण अभियंता श्री के सी खोटे, कार्यपालन अभियंता श्री बीरबल उइके, श्री आर के गोस्वामी, सुश्री गीता ठाकुर, श्री ए डी टण्डन सहित सहायक अभियंतागण उपस्थित हुए।



दुर्ग

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर कार्यशाला 1 अक्टूबर को दुर्ग क्षेत्र में हुई। मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर ने योजना का लाभ जिले के समस्त उपभोक्ताओं को दिलाने एवं कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। आयोजित कार्यशाला में आरईसी के प्रोजेक्ट इंजीनियर श्री भुवनेश्वर पटेल द्वारा क्षेत्र के अभियंताओं को प्रजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दिया गया। जिसमे मुख्य अभियंता श्री एम जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री ए के लखेरा तथा कार्यपालन अभियंता श्री नवीन राठी ,श्रीमती सनीली चौहान, श्रीमती अनुसुइया ठाकुर, श्रीमती सीमा ढील सहित बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित हुए।



बिलासपुर

बिलासपुर क्षेत्र, के तिफरा स्थित प्रशासनिक भवन में 01 एवं 9 अक्टूबर को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कार्यशाला आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला में मुख्य अभियंता श्री ए के अम्बष्ट सहित कार्यपालन अभियंता श्री पी.वी.एस. राजकुमार, अंशु वर्ष्णेय, श्रीमती तृप्ति जांगड़े एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।



रायगढ़

रायगढ़ क्षेत्र में कार्यशाला का आयोजन 8 अक्टूबर को किया गया। इस कार्यशाला में आर ई सी की टीम द्वारा योजना के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री वी पी पटेल, अधीक्षण अभियंता श्री मनीष तनेजा, अधीक्षण अभियंता श्री नरेन्द नायक, अधीक्षण अभियंता श्री आर के राव, कार्यपालन अभियंतागण श्री बलराम साहू, श्री के के पटेल, श्री राजेश देवांगन, श्री आर के अरिल्ले, श्री योगेश पटेल, श्री पंकज कुमार सहित सहायक अभियंतागण उपस्थित थे।



अंबिकापुर

पी एम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर अंबिकापुर क्षेत्र में 9 अक्टूबर को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अभियंता श्री टी के मेश्राम, अति मुख्य अभियंता श्री ए. कुजुर और कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंता आदि उपस्थित थे।



जगदलपुर

पी एम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत वीडियो कान्फेंसिंग के माध्यम से 10 अक्टूबर को कार्यशाला आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला में कार्यपालक निदेशक श्री एस के ठाकुर, अधीक्षण अभियंतागण एन डब्ल्यू हेनरी, श्री एन के पोयाम, कार्यपालन अभियंता श्री सुधीर कुमार खेस्स, श्री एच के ध्रुव, श्री सलीम खान, श्री के जी मैथ्यू, सहायक अभियंता श्री एन एस कंवर, श्री एस आर भदे, श्री एन एल काशी, श्री अरविंद खोबरागढ़े, श्री राजेन्द कुमार, श्रीमती लीलावती पटेल एवं श्री पन्नलाल अहिरवार सहित कनिष्ठ अभियंतागण उपस्थित थे।

वेंडर्स की बैठक



नवागत अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने 5 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पंजीकृत वेंडर्स की बैठक ली। डॉ. यादव ने वेंडर्स से कहा कि वे स्वयं सक्रिय होकर योजना को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ में योजना को लागू करने को लेकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुख्यालय, मैदानी कार्यालयों, वेंडर्स, बैंकर्स आदि सभी स्टेक होल्डर्स के पक्ष को सुना तथा यह निर्देश दिए कि सबका अंतिम लक्ष्य उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए शिक्षित, जागरुक और तत्पर बनाना है। प्रदेश में ऐसा वातावरण बनाना है कि उपभोक्ता स्वयं ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जुड़ने की इच्छा व्यक्त करें, यह तभी संभव होगा जब उपभोक्ताओं को लगेगा कि वे बिना किसी रुकावट या परेशानी के यह काम कर सकते है। यह एक तरह से गुड गवर्नेंस का ही कार्य होगा।

पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी तथा वितरण कंपनी के बीच विभिन्न स्तरों पर समन्वय एवं सामंजस्य जरुरी है। इसी तरह बैंक ऋण लेने के लिए इच्छुक उपभोक्ताओं- बैंकरों और बिजली कंपनी के बीच भी समुचित सामंजस्य जरुरी है।

बैंकर्स की बैठक

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को आसान बनाने तथा आम जनता की पहुंच में लाने के लिए प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष के निर्देश पर 26 सितम्बर को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने बैंकर्स की बैठक आहूत की। जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने में सहमति जताई। निजी क्षेत्र के बैंकों को भी इस बाबत् कार्यवाही करने हेतु कहा गया।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रदेश में एक लाख रूफटॉप पावर प्लांट वर्ष 2027 तक लगाने का लक्ष्य है। इस दिशा में सकारात्मक वातावरण बनाने तथा उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने में कोई तकलीफ न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा ऊर्जा सचिव द्वारा दिये गये है। समस्त सरकारी तथा निजी क्षेत्र के बैकरों की बैठक में बैंक ऋण से संबंधित स्थिति की समीक्षा प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह ने की। सरकारी क्षेत्र के बैंकर्स ने बताया कि उन्हें 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट तक के सोलर पावर प्लांट लगाने हेतु ऋण देने के निर्देश प्राप्त हो चुके है। बैंक शाखाओं में उपभोक्ताओं को सरलता के साथ ऋण प्रदान करने के इंतजाम किये गये है। निजी बैंकों द्वारा यह बताये जाने पर कि उन्हें मुख्यालय की ओर से इस बाबत् निर्देश प्राप्त नहीं हुए है। उन्हें कहा गया कि वे भी अपने-अपने मुख्यालय स्तर से भारत सरकार की इस योजना में सहयोग करने तथा 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा देने की पहल करे। आपसी समझ से औपचारिकताएं पूरी करने के बारे में भी चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री आर.ए.पाठक, श्री संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमडी बड़गैया एवं श्री पी.वी.सजीव, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) श्री गोपीकृष्णा राठी, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र, अधीक्षण अभियंता श्री एन.बिम्बिसार तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।



एक झलक में ...

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

कैसे करें आवेदन

स्टेप-एक

- सबसे पहले पोर्टल pmsuryaghar.gov.in पर रजिस्टर/पंजीयन करें।
- अपने राज्य का चुनाव करें।
- इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी चुनें ।
- अब इलेक्ट्रिसिटी कन्ज्यूमर नंबर का चुनाव करें।
- अपना मोबाइल नंबर और मेल आईडी प्रविष्ट करें।

स्टेप-दो

- कन्ज्यूमर नंबर और मोबाइल नंबर से लाग-इन करें।
- अब रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन करें।

स्टेप-तीन

- अब अनुमोदन (अप्रूवल) के लिए इंतजार करें।
- विद्युत विभाग में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवाएं ।

स्टेप-चार

- एक बार इंस्टालेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करें और नेट मीटर के लिए आवेदन करें।

स्टेप-पांच

- नेट मीटर की स्थापना और डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र प्रदाय किया जावेगा।

स्टेप-छः

- कमीशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर, आप अपना बैंक खाता विवरण तथा निरस्त चेक, पोर्टल के माध्यम से जमा करें।
- तीस दिनों के भीतर आपको सब्सिडी प्राप्त हो जायेगी ।

अनुदान राशि

योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को 78 हजार रूपये तक की राशि अनुदान के रूप में सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जायेगी।

(अ) व्यक्तिगत हितग्राहियों को-

औसत मासिक विद्युत खपत (यूनिट)	रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता	अनुदान
0-105	1-2 किलो वॉट	30,000 रु. से 60,000 रु.
150-300	2-3 किलो वॉट	60,000 रु. से 78,000 रु.
300	3 किलो वॉट से अधिक	78,000 रु.

(ब) ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी/निवासी कल्याण संघ को -
ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी/निवासी कल्याण संघ के लिए 18,000 रू.प्रति किलोवाट अनुदान का प्रावधान, 500 किलोवाट तक (अधिकतम 3 किलोवाट प्रति घर)

घर से समुदाय तक....

पीएम सूर्यघर योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए भारत का लक्ष्य एक करोड़ घर है तो छत्तीसगढ़ ने भी पांच लाख घरों के लिए भी कमर कस लिया है। यह योजना घरों से लेकर समुदायों तक को लाभ पहुंचाने वाली है। इसके लिए प्रावधान है-

आदर्श सौर गांव- इसे देश के प्रत्येक जिले में विकसित किया जाएगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में छत पर सौर ऊर्जा अपनाने के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य करेगा।

स्थानीय निकाय- शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को अपने क्षेत्रों में रूफटॉप सौर (आरटीएस) प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

पंचायती राज संस्थाएं, शहरी स्थानीय निकाय-शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को भी अपने क्षेत्रों में रूफटॉप सौर (आरटीएस) प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

विस्तृत जानकारी के लिये क्यू आर कोड स्केन करें

योजना से जुड़ने के लिये क्यू आर कोड स्केन करें

योजना से जुड़ने के लिये आज ही डाउनलोड करें प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना मोबाइल एप।
लॉग इन करें - pmsuryaghar.gov.in । नजदीकी बिजली दफ्तर में संपर्क करें



छत्तीसगढ़ की विद्युत प्रणाली को साइबर हमले से बचाने क्रिटिकल इंफर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित

पश्चिम क्षेत्रीय साइबर सिक्यूरिटी को-आर्डिनेशन फोरम की कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की तारीफ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मुख्यालय में स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में ग्रिड आपरेशन पश्चिम क्षेत्रीय साइबर सिक्यूरिटी को-आर्डिनेशन फोरम कार्यशाला हुई, जिसमें साइबर हमले से ग्रिड प्रणाली को बचाने के उपायों पर चर्चा की गई। इसमें विभिन्न राज्यों के लोड डिस्पैच सेंटर के अधिकारियों ने साइबर अटैक को रोकने के लिए अपने यहां किये जा रहे उपायों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ में इस तरह के खतरे से निपटने के लिए क्रिटिकल इंफरमेशन इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम डेवलप किया गया है, जिसके तहत साइबर कानूनों का गजट नोटिफिकेशन किया गया है तथा स्काडा सिस्टम, सर्वर और बैकअप लोड डिस्पैच सेंटर तैयार किया गया है।

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर रायपुर में 12 एवं 13 सितंबर को साइबर सिक्यूरिटी को-आर्डिनेशन फोरम की तीसरी बैठक हुई, जिसका शुभारंभ ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला ने किया। उन्होंने साइबर सिक्युरिटी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं साइबर सिक्युरिटी से उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के प्रति अपनी चिन्ता जाहिर की और इन चुनौतियों से निपटने के लिये तीन प्रमुख बिन्दुओं- परस्पर सहयोग, नवाचार एवं पुनर्प्राप्ति क्षमता पर विशेष जोर देते हुए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यपालक निदेशक श्री कोमल सिंह मनोठिया ने कहा कि आज पूरे देश में नई तकनीक से वन नेशन, वन ग्रिड से बिजली सप्लाई की जा रही है, ऐसे में पूरा सिस्टम कंप्यूटराइज्ड और आनलाइन रहता है। इसमें देश-विदेश के हैकर साइबर हमला कर देते हैं, जिससे बचने के लिए सुरक्षा और सर्तकता आवश्यक है। हमारे यहां साइबर हमले से ग्रिड सुरक्षित रहे, इसके लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। 'क्रिटिकल इंफरमेशन इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम' के तहत हर साल आईटी और आपरेशन टेक्नालाजी की साइबर आडिट कराने का प्रावधान किया गया है, ताकि हमें समय से पूर्व पता लग सके कि कहां से साइबर अटैक हो सकता है और उसे रोका कैसे जा सकता है।

पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र मुम्बई के कार्यपालक निदेशक और फोरम के अध्यक्ष श्री वी बालाजी एवं ग्रिड इंडिया नई दिल्ली के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री एस बनर्जी ने भी संबोधित किया। एनसीआईआईपीसी मुम्बई के निदेशक श्री ललित कुमार मीणा भी वर्चुअली जुड़े रहे। कार्यशाला में पश्चिम क्षेत्र के विभिन्न घटक राज्यों महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, दमन एवं दीव इत्यादि के प्रतिनिधियों सहित छत्तीसगढ़ की तीनों पावर कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ग्रिड इंडिया दिल्ली के श्री एबी सेन गुप्ता ने आईएसओ 27001/27019 पर व्याख्यान दिया। महाराष्ट्र से आये प्रतिनिधि श्री नितीन पाऊनिकर ने साइबर आडिट के कार्यक्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे दिन मध्यप्रदेश से आये प्रतिनिधि श्री राजीव सिन्हा ने रेन्सम रिकव्हरी और इससे बचने के उपायों सहित साइबर सिक्युरिटी से संबंधित चुनौतियों से क्रमबद्ध तरीके से निपटने के उपायों पर जानकारी प्रदान की।

पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र मुम्बई के मुख्य महाप्रबंधक श्री महेश मेंहन्दाले ने साइबर घटना प्रतिक्रिया पर संगठित रणनीतिक दृष्टिकोण पुनर्प्राप्ति समय के प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री जीपी सिंह ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री मनोज रावटे एवं श्री केतन मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

साहस और प्रौद्योगिकी कौशल का अनूठा प्रयोग 'ईआरएस'

पहली बार 400 केवी की चालू लाइन में टॉवर शिफ्टिंग

.....ताकि लाखों लोगों को मिलती रहे निर्बाध बिजली





छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कर्मठ कर्मियों ने एक ऐसे चुनौतीपूर्ण कारनामा कर दिखाया है, जिसमें अतिउच्च दाब 400 किलोवाट (केवी) की लाइन को बंद किये बिना ही नया विशालकाय टॉवर लगाया गया है। दरअसल यह कार्य रायपुर-विशाखापट्टनम की नई सिक्सलेन सड़क पर हो रहा है, जिसमें सड़क की ऊंचाई अधिक होने के कारण बिजली टॉवर की ऊंचाई बढ़ानी पड़ रही है। यदि टॉवर लाइन में विद्युत सप्लाई बंद करके काम किया जाता तो बस्तर संभाग सहित धमतरी और बालोद जिले में लगभग एक सप्ताह ब्लैक आऊट करना पड़ता परन्तु ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी अपनी सूझबूझ और नवीन तकनीक का इस्तेमाल कर इस कार्य को पूरा किया गया।

प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला सहित इंजीनियरों की टीम ने 24 सितंबर को अवलोकन किया। श्री शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 400 केवी रायता-कुरुद डबल सर्किट (डीसीडीएस) के टॉवर की ऊंचाई बढ़ाने के लिए अनुरोध किया था।

वर्तमान में सड़क से टॉवर लाइन के तार की दूरी 12 मीटर थी, जबकि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के सुरक्षा नियमों के अनुसार सिक्सलेन सड़क में यह दूरी 16 मीटर होनी चाहिए। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुए टॉवर की ऊंचाई बढ़ाई जानी थी, लेकिन इस टॉवर लाइन से पूरे बस्तर संभाग में एमएमडीसी नगरनार, खनन क्षेत्र सहित छह लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति होती है। इसे बंद किया जाना संभव नहीं था, इसलिए ईआरएस (इमरेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम) से चार अस्थायी टॉवर खड़ा करके विद्युत आपूर्ति जारी रखी गई। लगभग एक किलोमीटर की दूरी में चार अस्थायी टॉवर लगाए गए, जहां यह ईआरएस (अस्थायी टॉवर) लगाया गया था, वह भूमि बहुत ही दुर्गम और दलदली थी, जहां काम करना आसान नहीं था, परन्तु ट्रांसमिशन कंपनी के कर्मियों ने यह उल्लेखनीय कार्य किया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के बाद यह पहला प्रयोग है जब 400 केवी की चालू लाइन में टॉवर खड़ा किया गया। इसमें 44 मीटर ऊंचे टॉवर के स्थान पर 52 मीटर ऊंचाई के दो नए टॉवर बनाए गये। कार्य की लागत 11 करोड़ रूपए है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, आरसी अग्रवाल, जी. आनंद राव, अति. मुख्य अभियंता चंद्रकला गिडवानी, अधीक्षण अभियंता वीए देशमुख, आरके तिवारी, करूणेश यादव, यूआर मिर्चे, कार्यपालन अभियंता उमाकांत यादव, सुचेंद्र कुमार उइके, हेमकैलाश साहू, अनिल व्दिवेदी, प्रोबल मिश्रा, सहायक अभियंता पीके तिवारी सहित एनएचएआई व कंस्ट्रक्शन कंपनी शालीमार के अधिकारी उपस्थित थे।

अंतरक्षेत्रीय स्पर्धाओं का नया दौर शुरु, रायपुर में टेबल टेनिस स्पर्धा आयोजित

टीम भावना से खेलें- श्री भीम सिंह

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की कला एवं क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 28 सितंबर तक डंगनिया मुख्यालय में हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर थे।

उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी अपने कर्मियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पूरे प्रदेश में विद्युत आपूर्ति करने की जिम्मेदारी हम पर है, इस कार्य में लगे हमारे कर्मी स्वस्थ रहें, इसके लिए खेल स्पर्धाओं के आयोजन भी आवश्यक हैं। उन्होंने टेबल टेनिस खेलकर इस प्रतियोगिता की शुरूआत की। साथ ही सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ-साथ टीम भावना का विकास होता है, जिससे कार्यक्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार होता है।





ये रहे विजेता-

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पुरुष वर्ग से रजनीश ओबेराय और महिला वर्ग से दिव्या आमदे ने बाजी मारी। क्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में एकल श्रेणी में दिव्या आमदे विजेता व श्रद्धा वर्मा उपविजेता रहीं। समूह स्पर्धा में यशोदा रौतिया व दिव्या आमदे की जोड़ी विजेता तथा शोभना सिंह व श्रद्धा वर्मा की जोड़ी उपविजेता रही।

इसी तरह पुरुष वर्ग में एकल श्रेणी में रजनीश ओबेराय विजेता व योगेश प्रधान उपविजेता रहे। समूह स्पर्धा में समीर तिवारी, रजनीश ओबेराय तथा अनुराग शर्मा व योगेश प्रधान की जोड़ी उपविजेता रही। टीम इवेंट में रायपुर सेंट्रल की टीम विजेता रही, इसके खिलाड़ी प्रशांत बापट, अनिल अग्रवाल, अनुराग शर्मा, खिलेंद्र व सागर पिंपलापुरे को ट्राफी दी गई। उपविजेता दुर्ग क्षेत्र की टीम रही, जिसमें तरूण कुमार ठाकुर, पीएल माहेश्वरी, महेश्वर टंडन, महेंद्र कुमार साहू व रजनीश ओबेराय को सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के आठ क्षेत्रीय टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें दुर्ग, जगदलपुर, बिलासपुर, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, मड़वा के साथ रायपुर सेंट्रल व रायपुर रीजन की टीम शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में परिषद के महासचिव कार्यपालक निदेशक श्री एमएस चौहान, कार्यपालक निदेशक श्री केएस मनोठिया, कार्यपालक निदेशक श्री जेएस नेताम, अधीक्षण अभियंता श्री मनोज वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रतियोगिता में सेंट्रल आब्जर्वर श्री वीके तिवारी और रेफरी श्री सुशांत बोरवांकर एवं एसबी पेंडारकर थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी गोविन्द पटेल एवं आभार प्रदर्शन क्षेत्रीय क्रीड़ा सचिव श्री विनय चंद्राकर ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रशांत बापट, आरके बंछोर, आरएन वर्मा, प्रवीण साहू, योगेश प्रधान सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय स्पर्धा के लिए चयन

अखिल भारतीय स्पर्धा के लिए छत्तीसगढ़ पावर कंपनीज की टीम की घोषणा की गई, जिसमें रजनीश ओबेराय दुर्ग, योगेश प्रधान रायपुर, समीर तिवारी बिलासपुर, टीपी सिंह कोरबा पूर्व, अनुराग शर्मा रायपुर सेंट्रल, प्रशांत बापट, सागर पिंपलापुरे रायपुर सेंट्रल, संजीव केशकर बिलासपुर, अनिल अग्रवाल रायपुर सेंट्रल व पीएल माहेश्वरी दुर्ग को शामिल किया गया है। आल इंडिया टीम में महिला वर्ग से दिव्या आमदे रायपुर, श्रद्धा वर्मा रायपुर सेंट्रल, शिखा खांडे बिलासपुर, शोभना सिंह रायपुर सेंट्रल, यशोदा रौतिया रायपुर व निरंजना गवेल कोरबा पूर्व को शामिल किया गया है।

लाइफटाइम अचीवमेंट - श्री योगेश प्रधान को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड का सम्मान प्रदान किया गया।



पारेषण क्षमता में विकास के नये प्रतिमान

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश को विरासत में बहुत कमजोर अधोसंरचना मिली थी। जहां तक पारेषण प्रणाली का प्रश्न है तो उस समय अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या मात्र 26 थी। जो अब बढ़कर 135 हो गई है। अति उच्चदाब ट्रांसफॉर्मरों की संख्या मात्र 61 थी जो अब बढ़कर 355 हो गई है। वहीं ट्रांसफॉर्मर की कुल क्षमता 3,522 एम.वी.ए. थी जो अब बढ़कर 25,614 एम.वी.ए. हो गई है। इस तरह पारेषण क्षमता में विगत 23 वर्षों में 727 प्रतिशत वृद्धि हुई है। दिसंबर 2023 की स्थिति में अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या 132 थी जो अब बढ़कर 135 हो गई है। ट्रांसफॉर्मरों की संख्या 336 थी जो अब बढ़कर 355 हो गई है। इस प्रकार ट्रांसफॉर्मरों की कुल क्षमता में 1,390 एम.वी.ए. की वृद्धि विगत 9 माह में हुई है। जो 5.73 प्रतिशत वृद्धि है।

विद्युत पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु विगत 09 माह में किए गए महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैं-

- 03 नग नये 132 के.वी. उपकेन्द्र यथा आरंग (गुल्लू) बैजलपुर एवं 01 नग 220 के.वी. उपकेन्द्र पाटन (विद्यमान 132/33 के.वी. उपकेन्द्र पाटन का उन्नयन), टेमरी जिला बेमेतरा में 132/33 के.वी. सबस्टेशन ऊर्जीकृत किये गये है। पारेषण प्रणाली में उपकेन्द्रों की कुल संख्या माह दिसम्बर 2023 में 132 नग थी, जो माह अक्टूबर 2024 की स्थिति में 03 नग बढ़कर कुल 135 नग हो गई है।
- विद्यमान 132 के.वी., 220 के.वी. एवं 400 के.वी. उपकेन्द्रों में यथा रावणभाटा, राजिम, बेमेतरा, राजनांदगांव, सराईपाली, धमतरी, कांसाबेल, प्रतापपुर, सरोना, कांकेर, सारंगढ़, उरला सेक्टर-ए. जगदलपुर, सुकमा, भिलाई, राजपुर, बलरामपुर एवं बेमेतरा में नये अतिरिक्त ट्रांसफार्मर उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर क्षमता बढ़ाई गई है। पारेषण प्रणाली में ट्रांसफार्मरों की कुल क्षमता माह दिसम्बर 2023 में 24227 एम.वी.ए. थी, जो माह अक्टूबर 2024 की स्थिति में 1167 एम.वी.ए. बढ़कर कुल 25617 एम.वी.ए. हो गई है।
- पारेषण लाइनों की लंबाई माह दिसम्बर 2023 में 13933 सर्किट कि.मी. थी जो माह अक्टूबर 2024 की स्थिति में लगभग 284 सर्किट कि.मी. बढ़कर कुल 14217 सर्किट कि.मी. हो गई है. जो प्रदेश की जनता को सतत् एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय करने के उपयुक्त है।
- राज्य की दीर्घकालीन विद्युत की मांग का आंकलन कर विद्युत पारेषण प्रणाली में क्षमता वृद्धि के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा स्वीकृत पूंजी निवेश योजना वर्ष 2016-21 एवं वर्ष 2022-25 अंतर्गत स्वीकृत 45 उपकेन्द्रों में से 12 उपकेन्द्रों (विगत 06 माह में 04 नग) का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिसमें खैरागढ़, इंदामारा, खरमोरा, इंदागॉव, माठ-खरोरा, सिलतरा फेस-दो, अमलेश्वर, छावनी, बैजलपुर, आरंग, पाटन एवं टेमरी उपकेंद्र शामिल हैं तथा शेष उपकेंद्रों को, जिनमें दो स्थानों में 400 के.वी. उपकेन्द्र, 10 स्थानों में 220 के.वी. और 21 स्थानों में 132 के.वी. उपकेंद्रों का निर्माण आगामी वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इनमें 400 के.वी. उपकेंद्र धरदेही और पिथौरा में, 220 के.वी. उपकेन्द्र दलदलसिवनी, सेमरिया, अहिवारा, राजिम, कांकेर, धरमजयगढ़, कुम्हारी, माल्दा (सारंगढ़-मुरेठी) परसतराई एवं बचेली (किरंदुल) तथा 132 के.वी. उपकेन्द्र, मस्तुरी- मल्हार, मेटलपार्क, बेतर, जनकपुर, केशकाल, सरोरा, बिलाईगढ़, उरला कॉलोनी, चोटिया, अर्जुनी, रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, भिल्मी (बेलतरा), जेवरा-सिरसा, महाराजपुर, अण्डा, जामगॉव आर, तरेकेला (पिथौरा), रोहरा, सराईपाली, सरगांव एवं लखनपुर में शामिल हैं।



"छत्तीसगढ़ की विद्युत प्रणाली में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण तथा दूरदर्शितापूर्ण है। राज्य गठन के बाद अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता में 727 प्रतिशत की वृद्धि यह सिद्ध करती है कि यह कंपनी उत्पादन और वितरण के बीच बहुत ही मजबूत सेतु की भूमिका निभाने में सफल रही हैं। प्रदेश में विद्युत की उपलब्धता बढ़ाने के लिए केन्द्रीय ग्रिड से 6 हजार मेगावाट बिजली प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके विरूद्ध 3600 मेगावाट की क्षमता अर्जित कर ली गई हैं। हम चाहेंगे कि शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से प्रयास किये जायें ताकि पीक लोड आवर्स में उपलब्धता सुगम तथा सुचारू बनी रहे। पारेषण कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को अनंत शुभकामनाएं, कि वे सभी कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करें।"

▪ डॉ. रोहित यादव
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

- पारेषण प्रणाली में विश्वसनीय डेटा एवं स्पीच ट्रांसमिशन के लिए संचार नेटवर्क में वृद्धि एवं उन्नयन हेतु पारेषण लाइनों में

क्र.	विवरण	वर्ष 2000	दिसंबर 2023	अद्यतन स्थिति (7.10.2024)
1.	**400 के.वी. उपकेंद्र**			
	उपकेंद्रों की संख्या	1	4	4
	ट्रांसफॉर्मर की संख्या	3	10	10
	कुल एम.वी.ए.	945	3,150	3,150
2.	**220 के.वी. उपकेंद्र**			
	उपकेंद्रों की संख्या	5	26	27
	ट्रांसफॉर्मर की संख्या	12	65	68
	कुल एम.वी.ए.	1,350	10,160	10,640
3.	**132 के.वी. उपकेंद्र**			
	उपकेंद्रों की संख्या	20	102	104
	ट्रांसफॉर्मर की संख्या	46	261	277
	कुल एम.वी.ए.	1,257	10,917	11,827
4.	**उपकेंद्रों की संख्या**	26	132	135
	ट्रांसफॉर्मर की संख्या	61	336	355
	ट्रांसफॉर्मर की कुल क्षमता एम.वी.ए. में	3,522	24,227	25,617

पारेषण प्रणाली की अद्यतन स्थिति

विद्यमान जी.आई. अर्थवायर 5335 कि. मी. में से 4739 कि.मी. को ओ.पी.जी.डब्ल्यू. से बदलने का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं शेष बचे जी.आई अर्थवायर को बदलने का कार्य प्रगति पर है।

- केन्द्रीय ग्रिड से हस्तांतरण क्षमता (अवैलेबल ट्रांसफर कैपेसिटी) बढ़ाने हेतु पावर ग्रिड कार्पोरेशन लिमिटेड के उपेकन्द्रों से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के स्थित एवं प्रस्तावित 400 एवं 220 के.वी. उपकेन्द्रों तक नवीन पारेषण लाइनों के निर्माण हेतु 1606 करोड़ के निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

» पर्रीनाला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने पर्रीनाला (राजनांदगांव) स्थित 132/33 केवी अति उच्च दाब विद्युत उपकेन्द्र में 63 एम वी ए का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया। विद्युत उपकेंद्र में स्थापित नए ट्रांसफॉर्मर को ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने ऊर्जीकृत किया।

4 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत से नया 63 एम वी ए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिससे इसकी क्षमता 103 एम.वी.ए. हो गई है। इस उपकेन्द्र से 33 के.वी. के नौ फीडर निकले हैं। इससे राजनांदगांव एक व दो फीडर, आर के नगर, कंचन बाग, दुर्ग एक व दो, साईं केमिकल, चिखली, इंडस्ट्रियल एरिया एवं परसुली फीडर में विद्युत सप्लाई होगी। राजनांदगांव शहर, सोमनी, सिंघोला, दुर्ग, बालोद क्षेत्र के लगभग 95 हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी।



इस अवसर पर मुख्य अभियंता सबस्टेशन रायपुर श्री जी. आनंद राव तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता (राजनांदगांव रीजन) श्री टी. के. मेश्राम, मुख्य अभियंता (दुर्ग रीजन) श्री एम. जामुलकर एवं अधीक्षण अभियंता श्री सुनील भुआर्य एवं संबंधित कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।



"छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने उत्पादन और वितरण कंपनियों के बीच विद्युत आपूर्ति को लेकर अपनी भूमिका का निर्वाह बहुत अच्छे ढंग से किया है। विगत 9 माह में हमनें 400 केवी क्षमता के दो नये उपकेन्द्र निर्माण करने की दिशा में प्रगति की हैं। जिनमें 945 एमवीए क्षमता के तीन पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील किये जायेंगे। 220 केवी क्षमता का एक उपकेन्द्र निर्मित किया गया तथा 7 निर्माण की प्रक्रिया में है। इसी तरह 132/33 केवी क्षमता के दो उपकेन्द्र निर्मित किये गये हैं जिनमें 910 एमवीए क्षमता के 16 पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जित किये जा चुके हैं। वहीं 17 नग नये उपकेन्द्रों का निर्माण प्रस्तावित है और कार्य विभिन्न स्तरों में प्रगति में है। प्रदेश में उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति करने के लिए हमारी कंपनी दृढ़ संकल्पित है। हमारा फील्ड स्टॉफ दत्तचित्त होकर कार्य कर रहा है।"

▪ राजेश कुमार शुक्ला
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

» कुरूद

400 के.वी. अति उच्चदाब विद्युत उपकेंद्र कुरूद से 220 के.वी. फीडर बे को प्रबंध



निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 10 जून को चार्ज किया गया। 400 के.वी. कुरूद उपकेंद्र को मिलाकर प्रदेश में इस उच्च दाब क्षमता के 4 उपकेंद्र है जो खेदामारा, रायता, तथा परचनपाल में स्थित है। 400 के.वी. उपकेंद्र कुरूद से 220 के.वी. क्षमता के 6 फीडर बे निकाले जाने है, जिनमें से 2 राजिम के लिए, 2 गुरूर के लिए तथा 2 पाटन के लिए है। इनमें से पाटन के दोनों फीडर बे के निर्माण तथा उन्हें चार्ज करने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 220 के.वी. फीडर बे तथा 20 किलोमीटर लंबी डबल सर्किट 220 के.वी. पाटन लाइन को चार्ज किया गया। इससे पाटन स्थित 220 के.वी. उपकेंद्र को प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस कार्य की लागत लगभग 6 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर श्री राजेश चंद्र अग्रवाल, श्री एम. एस. चौहान, मुख्य अभियंतागण श्री डी. के. तुली श्री जी. आनंदराव, श्री अविनाश सोनेकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंतागण श्रीमती चंद्रकला गिडवानी, श्री ईश्वर सिंह कंवर, अधीक्षण अभियंतागण श्री वी.ए. देशमुख, श्री मनोज राय, श्री प्रसन्न गोसावी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

» पाटन



पाटन जिला दुर्ग में 220/132 के.वी. विद्युत उपकेंद्र तथा 160 एम.वी.ए. का ट्रांसफार्मर प्रबंध निदेशक, पारेषण कंपनी श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 12 जून को ऊर्जीकृत किया गया। पाटन में इस अति उच्चदाब विद्युत उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से धमतरी, दुर्ग तथा रायपुर जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस उपकेंद्र से नवनिर्मित 132/33 के.वी. उपकेंद्र अमलेश्वर को विद्युत सप्लाई दी जाएगी एवं भविष्य में 132/33 के.वी. उपकेंद्र अंडा, जामगांव, अर्जुनी, भखारा, भिलाई, रूआबांधा एवं 220/132 के.वी. उपकेंद्र डोमा को भी विद्युत प्रदाय किया जाएगा। यहाँ से 12 नग फीडर निकलेंगे जो कि रायपुर, भिलाई, दुर्ग, धमतरी जिलों को सुविधा प्रदान करेंगे। इस विद्युत उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से 209 गांवों, 2 नगर पंचायतों, 2 नगरपालिका निगमों के लगभग 80,000 विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस कार्य की लागत 58 करोड़ रुपये से अधिक है। इस अवसर पर श्री के.एस. मनोठिया, श्री राजेश चंद्र अग्रवाल, श्री एम.एस. चौहान, मुख्य अभियंतागण श्री डी.के. तुली, श्री जी. आनंदराव, श्री अविनाश सोनेकर, श्री ए.के. अम्बष्ट, श्री आर.एम. जामुलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंतागण श्रीमती चंद्रकला गिडवानी, श्री वी.के. दीक्षित, अधीक्षण अभियंतागण श्री एस.के. लखेरा, श्री वी.पी. सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

» सुकमा



सुकमा में 40 एमवीए क्षमता का 132/33 केवी अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा ऊर्जीकृत 23 जून को किया गया। इस अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के प्रारंभ होने से 394 गांवों यथा छिंदगढ़, नेतानार, तोंगपाल, सुकमा, गादीरास सहित विभिन्न गांवों के 62,000 से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के एम डी श्री राजेश कुमार शुक्ला ने इस उपलब्धि के लिये मुख्यअभियंता लाइन तथा उनकी पूरी टीम को बधाई दी है। इस अवसर पर श्री अविनाश सोनेकर, मुख्य अभियंता, श्री वी ए देशमुख, अधीक्षण अभियंता, श्री बी आर नाग, श्री डी एस कतलम, श्री उमाकांत यादव, श्री उग्रसेन डडूरिया, श्री एच के टोप्पो सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

» बैजलपुर (सिल्हाटी), कवर्धा



ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने नव निर्मित 132/33 केवी सब-स्टेशन बैजलपुर (सिल्हाटी)- कबीर धाम के एक नग 40 एम वी ए ट्रांसफार्मर को 3 जुलाई कोउर्जीकृत किया। इस परियोजना की कुल लागत 46.13 करोड़ रूपए है। बैजलपुर में 132/33 केवी का सब-स्टेशन स्थापित किया गया है, जिसकी क्षमता 2x40 एम व्ही ए होगी, इसमें से एक 40 एम व्ही ए क्षमता का एक ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया है जबकि दूसरा 40 एम व्ही ए के ट्रांसफार्मर को भी जल्द ही उर्जीकृत करने की तैयारी प्रगति पर है। इस उपकेंद्र की लागत करीब 20.45 करोड़ रूपए है। इस उपकेंद्र में विद्युत सप्लाई 132 केवी गेंदपुर-बैजलपुर लाइन से होगी, जिसके लिए 32.5 किलोमीटर नई लाइन बिछाने पर 24 करोड़ रुपए एवं 220/132 के.वी. उपकेंद्र गेंदपुर में 132 के.वी. के दो फीडर-बे के निर्माण के लिए 1.68 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री के. एस. मनोठिया, मुख्य अभियंता श्री डी. के. तुली, जी. आनंदराव, टी. के. मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता चंद्रकला गिडवानी, अधीक्षण अभियंता श्री पी पी सिंह, सुनील भुआर्य, रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता श्री एस. के. चौहान, श्री लोहनारे, श्री वीरेन्द्र ठाकुर, सहायक अभियंता श्री आर के हरमुख सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित थे।

» बलरामपुर

बलरामपुर जिले में लगभग 10 करोड़ की लागत से 2 अति उच्च दाब उपकेंद्रों में 40-40 एम वी ए पॉवर टांसफार्मर को प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 14 सितंबर को ऊर्जीकृत किया गया। पहले वे राजपुर पहुंचे, जहां 132/33 केवी क्षमता के उपकेंद्र में 40 एमवीए क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया। इससे राजपुर, कुसमी, शंकरगढ़, बारियों, झिंगो, हस्ता आदि 336 गांवों में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता बढ़ेगी। इस कार्य की लागत 4 करोड़ 6



लाख रुपये है। इसके पश्चात् श्री शुक्ला विभागीय अधिकारीगण के साथ बलरामपुर के 132/33 केवी क्षमता अति उच्च दाब उपकेंद्र बलरामपुर पहुंचे, जहां 40 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया। इस कार्य की लागत 4 करोड़ 98 लाख रुपए है। इसके ऊर्जीकृत होने से 240 गाँवों की विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा। लोवोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य अभियंतागण श्रीमती के. घाटे, श्री शिरीष सैलट, अधीक्षण अभियंतागण श्री सी. एम. बाजपेयी, श्री पी. एस. नेताम, श्री राजेन्द्र मिश्रा, श्री डी. एस. पटेल, कार्यपालन अभियंतागण पी के अग्रवाल, एस सी भगत, जी आर जायसवाल, रंजना खलखो, आई के साय, ललित भगत, बी सी टोप्पो उपस्थित थे।

» गुल्लू (आरंग)



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने रायपुर जिले के अंतर्गत ग्राम गुल्लू (आरंग) में 132/33 के.वी क्षमता के विद्युत उपकेंद्र में 40 एम.वी.ए क्षमता के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफॉर्मर को ऊर्जीकृत किया।इस उपकेंद्र को 132 के.वी माठखरोरा उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति हो रही है। जिसके लिए लगभग 19 किलोमीटर लंबी लाइन स्थापित की गई है। इस कार्य की लागत लगभग 33 करोड़ रूपए है। गुल्लू उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने के साथ प्रदेश में 132 के.वी उपकेंद्रों की संख्या बढ़कर 134 हो गई है। दिसंबर 2023 के बाद गुल्लू के अलावा बैजलपुर (कबीरधाम जिला) में 132 के.वी उपकेंद ऊर्जीकृत किया गया है। पाटन में 132/33 के.वी उपकेंद्र को 220 के.वी उपकेंद्र के रूप मे उन्नत किया गया है। प्रदेश की पारेषण प्रणाली में अति उच्चदाब ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता 3552 एम.वी.ए थी, जो अब बढ़कर 25,354 एम.वी.ए. हो गई है। गुल्लू उपकेंद्र से आरंग, मंदिर हसौद क्षेत्र के लगभग 100 से अधिक गाँवों और 12,000 से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर ई.डी. श्री के.सी मनोठिया, श्री संजय पटेल, श्री आर.सी अग्रवाल, श्री एम.एस चैहान, मुख्य अभियंतागण श्री अविनाश सोनेकर, श्री जी. आनंदराव, श्री अम्बष्ट, एस.डी.एम श्री पुष्पेंद्र, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र तथा अन्य अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता आदि उपस्थित थे।

» सिल्हाटी



पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर. के. शुक्ला के व्दारा 132/33 के.वी. उपकेन्द्र सिल्हाटी के व्दितीय 40 एम.वी.ए. ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इससे 65 गांवों के 20 हजार से अधिक घरेलू व कृषि पंप उपभोक्ताओं को सीधा बेहतर वोल्टेज के साथ विद्युत आपूर्ति हो सकेगी।यह 132/33 के.वी. उपकेंद्र कबीरधाम जिले के सिल्हाटी गांव में स्थित है, जहां पहले 40 एमव्हीए का एक ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति हो रही थी, वहां 40 एमव्हीए का एक और ट्रांसफार्मर लगने से उपकेंद्र की क्षमता 80 एमव्हीए हो गई है। इस उपकेंद्र की 33 के.वी. की तीन नई लाइनें मड़मड़ा, कुसुमघटा और सारंगपुर निकाली गई है, जिनसे 33 के.वी. के कुसुमघटा, पांडातराई, मड़मड़ा, बैजलपुर, गांगपुर, सारंगपुर लाइन भी ऊर्जीकृत हो गए हैं। इस उपकेंद्र से भविष्य में दो और 33 के.वी. लाइनें संधारित की जाएंगी, जिससे तीन और उपकेंद्र ऊर्जीकृत होंगे।

इस उपकेन्द्र से पंडरिया के अंतर्गत 65 ग्रामों तथा 6 उपकेन्द्रों से जुड़े लगभग 20 हजार उपभोक्तओं तथा किसानों को लाभ मिलेगा। सिल्हाटी उपकेन्द्र के ऊर्जीकरण से 132/33 के.वी. उपकेन्द्र डोमसरा के 33 के.वी. खरहट्टा फीडर से 2 उपकेन्द्र के भार सिल्हाटी उपकेन्द्र में स्थानांतरित होने से 14 मेगावॉट भार कम होगा तथा 35 ग्रामों के लगभग 6 हजार किसानों को लो-वोल्टेज समस्या से निजात मिलेगी।

इसके साथ ही कवर्धा के 132/33 के.वी. उपकेन्द्र से 4 मेगावॉट इस प्रकार कुल 18 मेगावॉट लोड दोनों उपकेन्द्रों से कमी होगी, जिससे खरीफ फसल के समय उपकेन्द्र अतिभारित होने से बचेंगे तथा उपभोक्ताओ को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। सिल्हाटी उपकेन्द्र के ऊर्जीकरण से क्षेत्र मे लो वोल्टेज समस्या से निजात मिलेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, एमएस चौहान, मुख्य अभियंता डीके तुली, जी. आनंद राव व अविनाश सोनेकर सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

» परचनपाल (जगदलपुर)



जगदलपुर (परचनपाल) में 40 एम.वी.ए. का अतिरिक्त पौवर ट्रांसफार्मर स्थापित

400 के. व्ही उपकेन्द्र संभाग जगदलपुर अधीन 220/132/33 के.वी. उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र जगदलपुर (परचनपाल) में 40 एम.वी.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर 8 मई को ऊर्जीकृत किया गया। अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थापना के पश्चात् उपकेन्द्र की क्षमता 80 एम. वी.ए. की हो गई है। वर्ष 2024 में परचनपाल उच्च दाब केन्द्र में 36 मेगावॉट की उच्चतम मांग दर्ज की गई थी, जो कि 40 एम.वी.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर हेतु अधिक भार (लोड) है। अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थापना से वितरण केन्द्र बस्तर, बकावण्ड, भानपुरी, केशरपाल, करपावण्ड के विद्युत उपभोक्ताओं को भी सतत् विद्युत आपूर्ति में मदद मिलेगी। इस उपकेन्द्र से बस्तर क्षेत्र के 33/11 के.वी. के 10 उपकेन्द्रों तक विद्युत आपूर्ति होती है। इस अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से 182 ग्रामों में लगभग 63,300 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री आर. सी. अग्रवाल, मुख्य अभियंता श्री ए. सोनेकर, अधीक्षण अभियंता श्री पी.आर. साहू, श्री वी. ए. देशमुख, श्री के. के. यादव, श्री टी. के. दिवाकर, कार्यपालन अभियंता श्री जी. के. ठाकुर एवं

कार्यपालन अभियंता सहित सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

» खेदामारा



315 के.वी. उपकेन्द्र संभाग खेदामारा अधीन 400/220/33 के.वी. उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र खेदामारा, (भिलाई) में 3X105 एम.वी.ए. (कुल क्षमता 315 एम.वी.ए.) का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर 18 जून को प्रबंध निदेशक श्री आर. के. शुक्ला के द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थापना के पश्चात् उपकेन्द्र की क्षमता 630 एम.वी.ए. से बढ़कर 915 एम.वी.ए. हो गई है। इससे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर की ट्रांसमिशन कम्पनी के 220 के. वी. ग्रिड में लगभग 280 से 300 मेगावाट पावर की उपलब्धता बढ़ने से पूरा ग्रिड मजबूत हुआ है। इससे 220 के. वी. ठेल्कादीह, बेमेतरा भिलाई स्टील प्लांट एवं भिलाई-3 में लोवर वोल्टेज एवं लो पावर की समस्या कम हुई साथ ही साथ ग्रिड से जुडे 400 के.व्ही उपकेन्द्र पावर ग्रिड कुम्हारी, एन. एस. पी. सी. एल भिलाई 400 के. वी. कुरूद में ओव्हर लोडिंग की समस्या कम हुई।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री आर. सी. अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता श्री करूणेश कुमार यादव, कार्यपालन अभियंता श्री हरीश कुमार देवांगन, श्री राजेश ओझा, श्रीमती रूबी सारिका वर्मा, सहायक अभियंता श्री सुधांशु त्रिपाठी, श्री ओम प्रकाश, श्री कर्मज्य सिन्हा, श्री निशांत मेश्राम, एवं 400 के. व्ही उपकेन्द्र के समस्त टेक्निकल स्टाफ उपस्थित थे।

» बेमेतरा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के पारेषण



प्रणाली को सुदृढ़ करते हुए बेमेतरा जिले में 220 के.वी. सब-स्टेशन में 63 एम.वी.ए. का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया। 10 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य की लागत 3.2 करोड़ है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे।

» रूआबांधा



132/33 के.वी. सब-स्टेशन रूआबांधा में 63 एम.वी.ए का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर क्षमता वृद्धि की गई। पारेषण प्रणाली को मजबूती देते हुए 21 सितंबर को इस उपकेंद्र में 63 एम.वी.ए का ट्रांसफॉर्मर लगाकर अतिरिक्त क्षमता बढ़ाई गई। इस अवसर पर श्री आनंद राव मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री आर.के. तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे। इस कार्य में 5.53 करोड़ रुपए खर्च किए गया।

» भिलाई

132/33 के.वी. सब-स्टेशन भिलाई में 63 एम.वी.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर क्षमता बढ़ाई गई। श्री आनंद राव द्वारा 12 सितंबर को इस नये ट्रांसफॉर्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य की लगात लगभग 6.02 करोड़ है। इस अवसर पर श्री आनंद राव मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-



स्टेशन सर्कल श्री आर.के. तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे।

» उरला, रायपुर



132 के. वी सबस्टेशन सेक्टर ए उरला रायपुर में 63 एम.वी.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर क्षमता वृद्धि की गई। 5 करोड़ की लागत से इस कार्य को पूर्ण किया गया। इस अवसर पर श्री आनंद राव मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री आर.के. तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे।

» सरोना, रायपुर

132 के वी सबस्टेशन सरोना, रायपुर में 63 एम.वी.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर क्षमता वृद्धि की गई। प्रबंध निदेशक ट्रांसमिश कंपनी श्री राजेश शुक्ला द्वारा 22 मार्च को इसे चार्ज किया गया। इस कार्य की लागत लगभग 5 करोड़ है। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री शुक्ला के साथ



मुख्य अभियंता सबस्टेश श्री आनंद राव मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सब स्टेशन श्री वी.के. दीक्षित भी उपस्थित थे।

» कांकेर



132 के.वी सबस्टेशन, कांकेर में 63 एम.वी.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर क्षमता वृद्धि की गई। इस कार्य की लागत लगभग 6.40 करोड़ है। 29 मार्च को इसे चार्ज किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव उपस्थित थे।

» राजनांदगांव

132 के.वी सबस्टेशन राजनंदगांव में 63 एम.वी.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाकर



क्षमता वृद्धि की गई। 9 मार्च को इसे चार्ज किया गया। इस कार्य की लागत लगभग 2 करोड़ है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सबस्टेश श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री एस.के. भूआरयल भी उपस्थित थे।

» बेमेतरा



220 के.वी. सब-स्टेशन बेमेतरा में 63 एम.वी.ए. का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया। 6 फरवरी को इस ट्रांसफॉर्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य की लागत 2.55 करोड़ है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री आर.के. तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे।

» रावणभाटा

132 के.वी. सब-स्टेशन रावनभाटा में 63 एम.वी.ए. का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया।



6 फरवरी को इस ट्रांसफॉर्मर को प्रबंध निदेशक श्री राजेश शुक्ला द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य की लागत 2.39 करोड़ है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री आर.के. तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस.के. भूआर्य उपस्थित थे।

» धमतरी



132 के.वी. सब-स्टेशन धमतरी में 40 एम.वी.ए. का नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया। 19 मार्च को इस ट्रांसफॉर्मर को मुख्य अभियंता श्री आनंद राव द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य की लागत 4.41 करोड़ है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सब-स्टेशन श्री आनंद राव, अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल श्री इ.एच.टी. अधिक्षण अभियंता श्री पी.पी. सिंह एवं अधीक्षण अभियंता सब-स्टेशन सर्कल भिलाई श्री एस. के. भूआर्य उपस्थित थे।

» जशपुर



जशपुर क्षेत्र में विद्युत लाइनें, फीडर बे ऊर्जीकृत, 423 गांव व 1083 टोलों को लाभ। पत्थलगांव तथा जशपुर के दो नग 132 /33 केवी उपकेंद्रों के बीच सेकंड सर्किट लाइन 106.5 किलोमीटर को ऊर्जीकृत किया गया, जिसकी परियोजना लागत 13.58 करोड़ रु. है। 132/33 के.वी. उपकेंद्र जशपुर में फीडर- बे तथा 132/33 केवी उपकेंद्र पत्थलगांव में फीडर-बे भी ऊर्जीकृत किया गया। इनकी लागत 2. 13 करोड़ रु. है। इस अवसर पर गौतम केनार, जी

आर जायसवाल, जेपी सिदार, नवीन मिश्रा,बसंत टोप्पो ,एच. वारे, भूपेश पैकरा आदि अधिकारीगण उपस्थित थे। इन विकास कार्यों से 423 गांवों, 1083 टोलों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

» टेमरी



बेमेतरा जिले में 132/33 केवी सब-स्टेशन टेमरी को 7 अक्टूबर उर्जीकृत किया गया। इस परियोजना की कुल लागत 30 करोड़ रूपए है।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच ऑन करके 80 एमवीए क्षमता के इस सबस्टेशन को ऊर्जीकृत किया।

बेमेतरा के टेमरी में 132/33 केवी का नया सब-स्टेशन बनाया गया है, जिसमें 40 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर स्थापित किये गए हैं। इस उपकेंद्र के प्रारंभ होने से बेमेतरा जिले के नांदघाट, मारो ,टेमरी, बदनारा, कुरा, संबलपुर के संपूर्ण क्षेत्र एम लो-वोल्टेज से निजात मिलेगी तथा गुणवत्तापूर्ण निरंतर विद्युत आपूर्ति होगी। इस उपकेंद्र में विद्युत सप्लाई 132 केवी सिमगा-टेमरी लाइन से होगी।

इस नवनिर्मित टेमरी उपकेंद्र से आसपास के करीब 84 ग्रामों के 30 हजार विद्युत उपभोक्ताओं, 8000 हजार कृषि पंप उपभोक्ता, किसानों को बेहतर बिजली मिल सकेगी। इस क्षेत्र में काफी संख्या में कृषि पंप हैं, साथ ही औद्योगिक इकाइयों और घरेलू उपभोक्ताओं को लगातार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकव्दय श्री केएस मनोठिया, श्री डीके तुली, मुख्य अभियंता श्री जी. आनंद राव, श्री मधुकर जामुलकर, श्री एके अम्बष्ट, श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री पीपी सिंह, श्री सुनील भुआर्य, श्री आरके तिवारी, श्री यूआर मिर्चे, श्रीमति सूर्यवंशी, श्री आशीष राय कार्यपालन अभियंता श्री एसके चौहान, श्री वीरेन्द्र ठाकुर, सहायक अभियंता श्री आरके हरमुख सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जी.एस.टी. कार्यशाला से पॉवर कंपनी की दक्षता में सुधार – डॉ. रोहित यादव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में 17&18 अक्टूबर को दो दिवसीय जी.एस.टी. कार्यशाला की शुरूआत अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के मुख्य आतिथ्य में की गई। इस अवसर पर डॉ. यादव ने कहा कि पॉवर कंपनियों की दक्षता और कार्य निष्पादन में सुधार के लिए यह कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव, उत्पादन कंपनी के एम.डी. श्री एस.के. कटियार, पारेषण कंपनी के एम.डी. श्री राजेश कुमार शुक्ला, वितरण कंपनी के एम.डी. श्री भीमसिंह कंवर, सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एण्ड पॉवर (सी.बी.आई.पी.) के डायरेक्टर श्री संजीव सिंह तथा उनके साथ आई फैकल्टी का स्वागत किया गया। अपने संबोधन में डॉ. रोहित यादव ने कहा कि उन्हें इस बात की बेहद प्रसन्नता है कि अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात वे जिस पहले कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं वह ट्रेनिंग व स्किलिंग से संबंधित है। ज्यादातर भर्ती के समय एक बार ट्रेनिंग होती है उसके बाद लोग अपने-अपने कामों में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि ट्रेनिंग की बातें पीछे छूट जाती हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक स्टेट पॉवर कंपनियों की बात है तो हमारे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में बहुत अच्छी है। यहां काम काफी प्रोफेशनल तरीके से किया जाता है। जिसके लिए यहां के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। हमारी कंपनियों को बहुत तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उत्पादन में ही ले तो निजी क्षेत्र या स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों से लेकर प्रोद्यौगिकी को लेकर भी चुनौतियां हैं। ग्रीन एनर्जी, सोलर एनर्जी को लेकर बड़े लक्ष्य हैं। अपनी क्षमताओं को प्रतिस्पर्धा में बनाएं रखने के लिए लगातार सुधार की जरूरत है। इसमें हमें सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एण्ड पॉवर का साथ मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। मै चाहूंगा कि आप जी.एस.टी. को लेकर हमारे यहां जो सुधार संभव हो उसके लिए मार्गदर्शन करें। हमारे अधिकारी और कर्मचारी प्रशिक्षण के दौरान सिर्फ 2 दिन ही नहीं बल्कि आगे भी आपसे जुड़े रहें।



इस अवसर पर सी.बी.आई.पी. के डायरेक्टर श्री संजीव सिंह ने जी.एस.टी. पर वर्कशॉप के लिए पॉवर कंपनी की पहल की सराहना की। उनके साथ फैकल्टी मेंबर्स के रूप में श्री राजीव गुप्ता सीनियर फाइनेंशियल एडवाइजर, श्री सौरभ अग्रवाल, श्री भावेश मित्तल, सुश्री निकिता अग्रवाल भी आए थे। अतिथियों का स्वागत ई.डी. फाइनेंस श्री एम.एस. चौहान, श्री आलोक सिंह, श्री संदीप मोदी, श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य, श्री मुकेश कश्यप, श्री जी.के. राठी तथा श्री अरविंद चंद्राकर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

...इस लिए मिला राज्य स्तरीय सम्मान

गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में अध्यक्ष के हाथों सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कहानी, उनकी जुबानी



श्री जैनेन्द्र कुमार गायकवाड़
अधीक्षण अभियंता

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में ऐश हैंडलिंग प्लांट (एएचपी) में बार-बार तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। इससे विद्युत संयंत्र की इकाइयां बार-बार ट्रिप हो रहीं थीं। ऐसे मुश्किल समय के बीच एएचपी में मेरी तैनाती की गई थी। जब मेरी नियुक्ति हुई थी तो मेरे समक्ष कोरोनाकाल में आई परिवार की विपत्तियां भी थी। कोरोना के वक्त मैने अपने परिवार में 12 सदस्यों को खो दिया।

जब मैनें एएचपी ज्वाइन किया था तब राखड़ को नीचे डंपिंग करना पड़ रहा था। राखड़ की पाइप लाइन मे जगह -जगह लीकेज थी। इससे यूनिट बार-बार ट्रिप हो रही थी। विद्युत संयंत्र को करोड़ों रूपए की उत्पादन क्षति हो रही थी।यह तकनीकी समस्या वर्ष 2018 से आ रही थी। एएचपी की टीम ने ऐश हैंडलिंग प्लांट में प्रमुख पांच समस्याओं को चिन्हांकित कर उनका समाधान किया जिसमें ऐश कानवेयिंग पाइप लाइन को कास्ट बेसाल्ट पाइप लाइन में बदला गया। इससे ऐश लीकेज को पूर्णतः समाप्त किया गया। तीसरी नई ऐश स्लरी पाइप लाइन बिछाई गई जिससे ऐश स्लरी डिस्पोजल लाइन की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इसके परिणाम स्वरूप लाइन लिकेज के कारण होने वाली उत्पादन क्षति को रोका गया। इसके अलावा द्वितीय नई एडब्ल्यूआरएस लाइन बिछाई गई जिससे पानी की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इससे रा-वाटर की खपत में उल्लेखनीय कमी आई है। इसके साथ ही वैक्यूम पंप की उपलब्धता सुनिश्चित कर पूर्ण रूप से ईएसपी से ड्राई ऐश की निकासी की गई। पूरे उत्पादन कंपनी के सभी संयंत्रों में एक मात्र मड़वा संयंत्र में एआर ऑडिट की व्यवस्था है। दोनों इकाइयों में एआर लीकेज को न्यून किया गया है। इससे होने वाली ऊर्जाक्षय कम करना संभव हो पाया है और एएचपी में एआर प्रेशर की मात्रा बढ़ गई है।

कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा के मार्गदर्शन में मै और मेरी टीम निरंतर इस बात का ध्यान रखती है कि एएचपी में लगने वाले स्पेयर्स पाट्र्स की उचित समय पर उपलब्धता बनी रहे। ताकि किसी भी आपात स्थिति में इकाइयों के संचालन में कोई बाधा न आए। कार्ययोजना बनाकर उपकरणों को समय-समय प्रतिस्थापन कर पिछले दो वर्षों में बिना किसी उत्पादन हानि के संयंत्र की दोनों इकाइयों का निर्बाध संचालन किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप मड़वा संयंत्र विभिन्न कीर्तिमानों को छू पाने में सफल हुआ है।

अब पूरे विद्युत संयंत्र में कहीं भी राखड़ का कुछ भी हिस्सा बेतरतीब बिखरा नहीं मिलेगा। विद्युत संयंत्र का पूरा परिसर साफ-सुथरा है। हम और हमारी टीम निरंतर गुणवत्ता के कार्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।एएचपी में तैनात पूर्व अधिकारियों एवं मुख्य अभियंताओं के प्रयासों को भी नहीं भुलाया जा सकता है, उन्होंने भी पूरे मनोयोग से एएचपी के सुधार में योगदान दिया है।



श्री टी, सिम्क्षचलम
परिचारक श्रेणी-2

मैंने नया हस्त चलित बैडिंग मशीन का निमार्ण किया जो कि पुरानी मशीन पूरी तरह से खराब हो चुकि थी। जिससे हम ऐगल को ड्राईग के अनुसार बेडिंग करना चाहते थे लेकिन हो नहीं पा रहा था। हम जैसे हेडल को घुमाते थे बेडिंग कोण उसकी जगह पर पहुंच नहीं पाता था। यही बात हमारे कार्यपालन यंत्री श्रीमति बरखा दुबे मैडम एव सहायक यंत्री श्री आकाश सिन्हा साहब को जानकारी दिया गया। हमारे कार्यपालन यंत्री ने पूछा कैसे करना है तो मैने कहा एक नया मशीन बनना पड़ेगा जो पुराने मशीन मे जो-जोखामियां है उसे दूर करना पडेंगा। उसमें बहुत सारी खामियां थी जैसे कि हैडल के थ्रेड (चुडिया) पुरी तरह से खराब हो चुकी थी। डिग्री प्वाईट ऐगल के बार- बार चोट खाने के कारण डिग्री प्वाईट खराब हो चुका था।

हैडल घुमाने पर डिग्री प्वाईट तक पहुंच नहीं पाता था जो अलग से ऐंगल का टुकड़ा डाला जाता तब जाकर डिग्री बेड हो पाता था। जब नया मशीन बनाया गया तो उसमें डिग्रीप्वाईट प्लेट के नीचे तीन रोलर दिया गया जो कि डिग्री प्वाईट तक पहुंच सके। नया थ्रेड (चुडीया) बनाया गया। डिग्री वाईट प्लेट बार-बार ऐंगलचोट से बचने के लिए ऐंगल बाक्स स्पोट लगया गया जिससे की कम नुकसान हो। डिग्री प्वाईट प्लेट में वेल्डींग किया हुआ था जो धार धार वेल्डीग टूट जाता था अब उसकी जगह में व्योल्लीग सिस्टम किया गया अगर लुज भी होता है तो उसे आसानी से टाईट किया जा सके।

पहले पुरानी मशीन में निश्चत लंबाई तक ऐगल बेड करने के लिऐ पीछे स्टापर का उपयोग किया जाता था उसमे बहुत परेशानी होती थी अब उसके जगह नया स्टापर निमार्ण किया इसमे चैनल का उपयोग किया गया इसकी लम्बाई 2500 एमएमरखा गया जिससे कि ड्राईग के अनुसार लम्बाई कम से कम 100 एमएमऔर ज्यादा से ज्यादा 200 एमएमलम्बाई तक ऐगल डिग्री बैंड कर सके। इस बेंडिंग मशीन से ऐगल 150x150x16 तक बैंड कर सकते है। अब नई मशीन से 220kv / 132kv / 38kvटावर एव स्ट्रक्चर स्वीकृत डाईंग के आधार पर बेंडिंग कर सकते है। उस नये मशीन निमार्ण में मेरे साथी आउट सोर्सिंग श्री दिलीप वर्मा, गौरव यादव एवं संदीप यादव का भी सहयोग रहा।



जिंदादिली और खुशमिजाजी का संदेश

सेवानिवृत्त अधिकारियों का मिलन समारोह

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने रायपुर के निजी होटल में मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले श्री ए.के. रॉय, श्री एम.एल बैस तथा श्री पी.के. चौहान का अभिनंदन किया गया। पुराने दिनों और सुनहरी यादों को संजोते हुए सम्मानित वरिष्ठ अभियंताओं के व्यक्तित्व व कृतित्व का उल्लेख किया गया। इतना ही नहीं गाते-बजाते, गेम्स पर शोर मचाते हुए सेवानिवृत्त अधिकारियों ने उत्साह और उमंग का संचार किया।

इस अवसर पर उपस्थित सबसे वरिष्ठ सदस्य इंजीनियर श्री ए.के. राय एवं श्रीमती राय का स्वागत श्री एस.पी. चतुर्वेदी एवं श्री एम.बी. मेंढेकर दम्पत्ति ने किया। इंजीनियर श्री एम.एल. बैस, श्रीमती बैस का स्वागत श्री ए.के. श्रीवास्तव एवं श्री एस.पी. रेगे दम्पत्ति द्वारा किया गया। इंजीनियर श्री पी.के. चौहान एवं श्रीमती चौहान का स्वागत श्री आर.के. भागवत, श्री डी.डी. पात्रिकर एवं श्री आर.एस. साहू दम्पत्ति द्वारा पुष्प हार, गुलदस्ता, शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया। श्री ओ.पी. खंडेलवाल दम्पत्ति ने सम्मानित अतिथियों को फ्लावर लैंप प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर श्री सी.पी. पांडे, श्री ए. के.श्रीवास्तव, श्री एस.पी रेगे, एवं श्री आर.के. भागवत ने सम्मानित अतिथियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। सम्मानित अतिथियों ने उद्बोधन में अपने अनुभवों को साझा करते हुए आयोजन की सराहना की। उन्होंने इसी तरह भविष्य में भी आयोजन करते रहने हेतु प्रेरित किया।

श्रीमती रॉय, श्रीमती रेगे, श्री आर.डी. सोनकर, श्री बी.एन. विश्वास, श्री बी.पी. मोदी, श्री समद्दार, श्री जे.के जैन एवं अन्य अधिकारियों ने कराओके पर गीत प्रस्तुत किया।

श्री आर.के. भागवत ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन एस.पी. बारले, श्री डी.डी. पात्रिकर, श्रीमती पात्रिकर एवं श्रीमती अग्रवाल ने किया।



4 वर्षों से चल रहा सिलसिला...

श्री पात्रिकर ने बताया कि मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के जमाने से सेवा में आए वरिष्ठ अभियंतागण सेवानिवृत्त होने के पश्चात् या तो रायपुर के आसपास बस गए अथवा अपने दूरस्थ प्रदेशों में चले गए। उनके सबके अनुभव, उनके कार्य और जीवन को लेकर अनुभव अनमोल है। इसलिए हमने 4 वर्ष पहले अर्धवार्षिक बैठकों का सिलसिला शुरू किया था। इस तरह छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से सेवानिवृत्त हुए अभियंताओं ने अपना एक क्लब बनाया है जिसमें 212 सदस्य हैं इस क्लब में उनकी पत्नियां भी शिरकत करती हैं। इस क्लब का मिलन समारोह विगत 3 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है जिसमें रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, कोरबा आदि छत्तीसगढ़ के मुख्य शहरों के सदस्य स्वयं उपस्थित होते हैं। इस समूह में बहुत से सदस्य दक्षिण भारत तथा अन्य राज्यों के भी हैं जो अन्य माध्यमों से जुड़े रहते है तथा आपस में सूचनाओं को आदान-प्रदान भी करते हैं।





केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर

केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के समय में पूरे छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर होता था जिसके प्रभारी अधिकारी कार्यपालन अभियंता होते थे। इस प्रशिक्षण केन्द्र का मुख्य कार्य का मुख्य कार्य नवनियुक्त कनिष्ठ यंत्रियों व सहायक यंत्रियों को संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करना होता था एवं कार्यरत कार्यालय सहायक श्रेणी-दो व तीन को लेखा प्रशिक्षण प्रदान करना होता था। उस समय पूरा मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में दो संकाय थे ,उत्पादन व वितरण दोनों संकायों में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी-दो व तीन को इसी प्रशिक्षण केन्द्र में लेखा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता था। उस समय कार्यपालन अभियंता क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर, मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान मध्यप्रदेश विद्युत मंडल जबलपुर के अधीन था। कार्यपालन अभियंता क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर के अधीन सहायक यंत्रीयों के नेतृत्व में लाइन प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर व लाइन प्रशिक्षण केन्द्र अंबिकापुर संचालित थे जहां लाइन कर्मचारियों को लाइनमेन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता था।

01 नवम्बर 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल का गठन हुआ एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर को मुख्य अभियंता रायपुर क्षेत्र के अधीन कर दिया गया मुख्य अभियंता (रायपुर क्षेत्र) रायपुर के अधीन कर दिया गया। वर्ष 2010 में मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण अनु. एवं विकास) रायपुर का पद का सृजन हुआ एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का नाम बदलकर केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान किया गया तथा कार्यपालन अभियंता (केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान), सहायक अभियंता (तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र) रायपुर एवं सहायक अभियंता (तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र) अंबिकापुर को मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण अनु. एवं विकास) रायपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में रखा गया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान का मूल कार्य नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता व अन्य को संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ ही साथ कार्यरत कार्यालय सहायक श्रेणी-दो/तीन को लेखा प्रशिक्षण व लाइन कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे कर्मचारियों के कौशल को एक विशिष्ट कार्य के लिये प्रदर्शन को बेहतर बनाने एवं उनके ज्ञान में वृद्धि की जा सके। केन्द्र में निम्न प्रशिक्षण भी दिये जाते हैं :-

- प्रतिवर्ष केन्द्र शासन द्वारा दिये गये निर्देश अनुसार तकनीकी कॉलेजों यथा आई.टी.आई.पॉलीटेक्निक इंजीनियरिंग कॉलेज व अन्य व्यवसायिक कॉलेजो के विद्यार्थियों को वोकेशनल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- अप्रेटिन्सशिप एक्ट 1961 के तहत केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये लक्ष्य के अनुरूप तकनीकी व गैर तकनीकी उपाधि व डिप्लोमा धारियों को अप्रेन्टिशिप एक्ट के तहत एक वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसमें केन्द्र शासन के भागीदारी

श्रेष्ठ कार्य संस्कृति के निर्माण में महत्ती भूमिका



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की कार्यप्रणाली को लेकर एक अलग ही पहचान और प्रतिष्ठा रही है। इसके पीछे बहुत बड़ा योगदान कौशल उन्नयन के रूप में प्रशिक्षण का रहा है। रायपुर स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान अपनी स्थापना के समय ये ही मंडल व कंपनी कर्मियों को प्रशिक्षित करने की भूमिका बेहतर ढंग से निभा रहा है। इस तरह प्रशिक्षित कर्मचारी मंडल व कंपनी की पूंजी बनते गए हैं। कंपनी की श्रेष्ठ कार्यप्रणाली व कार्य संस्कृति में प्रशिक्षण संस्थान की भूमिका अविस्मरणीय है।

▪ **डी.एस. भगत**
मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण अनु. एवं विकास)

वर्ष 2000 से 2024 तक निम्नानुसार संख्या में संस्थागत व लेखा, लाइनमेन प्रशिक्षण प्रदान किया गया

कनिष्ठ यंत्री	सहायक यंत्री	सहायक प्रबंधक /प्रशासनिक अधिकारी /कल्याण अधिकारी	कार्यालय सहायक श्रेणी-दो/तीन	लाइनमेन	योग
718	297	44	2441	5560	9060

से प्राप्त अनुदान के साथ छात्रवृत्ति प्रदान किया जाता है।

- छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं पॉलीटेक्निक में कार्यरत व्याख्याताओं को तीन सप्ताह का तकनीकी व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- केन्द्र शासन की योजना अनुसार तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों हेतु सी एण्ड डी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।
- केन्द्र शासन द्वारा समय समय पर विद्युत के क्षेत्र से संबंधित घोषणा किये गये योजनाओं यथा Rapdrp, RDSS इत्यादि के संबंध में फील्ड में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
- सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005 के क्रियान्वयन में फील्ड के अधिकारियों को स्पष्ट ज्ञान नही होने के कारण कंपनी को विगत दिनों विषम परिस्थितियों का सामना करना पडा इस हेतु मुख्य अभियंता (प्रशि.अनु. एवं विकास) छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री डी.एस. भगत के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में विडियो क्रान्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के फील्ड अधिकारियों हेतु एक साथ तीन बार अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये थे ताकि फील्ड में पदस्थ शत प्रतिशत अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षण ले सकें व अपने अशंका का समाधान पा सकें।
- इसके साथ-साथ पॉवर कंपनी के अन्य विभाग यथा, प्रोजेक्ट, मीटर टेस्टिंग के द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है।
- इन सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में पदस्थ अधिकारियों के अलावा विभाग के एवं बाहर के उस क्षेत्र/विषय में निपुण अधिकारियों को आमंत्रित किया जाता है एवं उन्हें कंपनी द्वारा निर्धारित दर पर मानदेय प्रदान किया जाता है।



श्री देवेन्द्र कुमार तुली
कार्यपालक निदेशक सिविल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मे कार्यपालक निदेशक, सिविल ट्रांसमिशन(डिस्टीब्यूशन अतिरिक्त प्रभार)श्री देवेन्द्र कुमार तुली का जन्म 6 दिसम्बर 1962 को जबलपुर, मध्यप्रदेश मे हुआ। माता स्व श्रीमती कृष्णा रानी तुली एवं पिता स्व राज पाल तुली के सख्त अनुशासन एवं सुसंस्कार उनके व्यक्तित्व में परिलक्षित होते हैं। परिवार में दादा एवं पिता दोनों ही पुलिस विभाग में सेवारत थे। एक कड़े अनुशासन वाले परिवार में रहने का प्रभाव उनके विचारों एवं कार्यों में दिखाई देता है। उन्होंने हायर सेकेण्डरी,सेन्ट पॉल स्कूल रायपुर से वर्ष 1978 में उत्तीर्ण की। इसके पश्चात् परिवार के कुशल मार्गदर्शन व अपनी मेहनत से वर्ष 1984 में बी ई सिविल की उपाधि शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर से प्राप्त की।

अध्यन उपरान्त वर्ष 1985 में अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में प्रशिक्षु के पद पर टोंस जल विद्युत परियोजना पेंच में पदस्थापना हुई। एक वर्ष के प्रशिक्षण उपरान्त इन्हें सहायक अभियंता के नियमित पद पर इंदिरा सरोवर जल विद्युत परियोजना बारसूर में पदस्थ किया गया। यहां 3 वर्ष सेवाएं देने के उपरान्त वर्ष 1989 में महेश्वर जल विद्युत परियोजना मंडलेश्वर निर्माण प्रभाग में पदस्थ हुए। यहां भी 5 वर्ष की सेवाएं देने के बाद पुनः टोंस जल विद्युत परियोजना रीवां में पदस्थापना हुई। सहायक अभियंता के पद पर 13 वर्षों तक सभी प्रमुख जल विद्युत परियोजनाओं में कार्यरत रहे। वर्ष 2000 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और टोंस प्रोजेक्ट में ही कार्यरत रहे। वर्ष 2008 में उपसचिव पर्सनल के पद पर रायपुर में कार्यरत रहे। यहां प्रशासनिक कार्यों का अलग अनुभव मिला। यहां उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने का उल्लेखनीय कार्य किया। इसी पद पर कार्यालय कार्यपालक निदेशक सिविल में 10 वर्षो तक सेवाए दीं। वर्ष 2018 में पदोन्नति प्राप्त कर अधीक्षण अभियंता के पद का दायित्व संभाला। वर्ष 2022 में अति मुख्य अभियंता के पद का गौरव प्राप्त हुआ और कार्यालय मुख्य अभियंता सिविल डिस्टीब्यूशन रायपुर में पदस्थापना हुई। वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई व कार्यालय सिविल वितरण रायपुर एवं ट्रांसमिशन रायपुर दोनों कार्यालयों में कार्यरत रहे। सुनियोजित कार्यप्रणाली व समयबद्धताउनकी सफलता का मूल मंत्र है। इन्हीं गुणों के बूते सितम्बर 2024 को कार्यपालक निदेशक सिविल के पद पर हुए हैं।

सेवाकाल के दौरान मिली विभिन्न जिम्मेदारियों को श्री तुली ने निष्ठा के साथ पूर्ण किया व विभिन्न चुनौतियों को स्वीकारते हुये विद्युत विकास कार्यों में योगदान देते रहे। वे मानते हैं कि महेश्वर प्रोजेक्ट पर काम करते हुये कॉफर बांध के निर्माण कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा। इसी प्रकार टोंस जल विद्युत परियोजना में 2 5 किलोमीटर लंबी आरसीसी लाइन कैनाल और 313 मीटर लम्बीसुरंग बनाने का कार्य बहुत कठिन था परंतु बेहतर टीमवर्क और पूर्ण समर्पण के कारण इस कार्य को समय पर पूर्ण करने में सफलता मिली।

पत्नी श्रीमती ममता तुली है, वे गृहणी हैं। सुपुत्री श्रीमती गरिमा सचदेवा (बी ई) करने उपरान्त यूएसए की मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हैं व सुपुत्र श्री गौरव तुली भी (बीई मेकेनिकल) कर अपने व्यावसायिक जीवन में प्रवेश कर चुके हैं। श्री तुली की खेलों के प्रति रूचि होने के कारण वे बैडमिन्टन एवं टेबल टैनिस का नियमित अभ्यास करते हैं, जिसके कारण ही वे तन -मन से स्वस्थ्य हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की अंतर क्षेत्रीय खेल स्पर्धा में प्रतिनिधित्व करते हुये वे क्रिकेट एवं ब्रिज खेल में भाग लेते रहे हैं। वर्ष 2024 में अखलि भारतीय ब्रिज टूर्नामेंट में प्रबंध निदेशक जनरेशन श्री एस के कटियार महोदय के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।



- Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

POWER SECTOR ROUND UP 3

15thSept.-14th Oct. 2024

Break Through

1. On 19th September at 9:42 PM, Nuclear Power Corporation of India(NPCIL) achieved criticality of third home-built 700 MW Pressurized Heavy Water Reactor (PHWR) at 7thunit of RAPP. (Source -Press Information Bureau - PIB).
2. In a landmark moment, on September 30UK witnessed closure of its last remaining coal plant, Ratcliffe-on-Soar.Till 2012, coal provided 39% of the UK's electricity need. Wind and solar combined rose from 6% of the power mix in 2012 to 34% in 2023. Coal phase-out has led to avoidance of 880 million tonnes of CO2, equivalent to more than double the UK's total economy-wide emissions in 2023.Five main factors behind the UK's successful shift from coal were: Ambitious decarbonisation targets, Rising minimum Carbon price, robust policy support for wind power, market reforms and investments in grid innovation. Interestingly in 1882, UK housed world's first coal-fired power station at the Edison Electric Light Station. (Sourced - India Today)
3. Tata Power Delhi Distribution Ltd (TPDIL) has received a patent for 'Self-Regenerating Transformer Breather'for 20 years. It is a device protecting a transformer from moisture ingress and thus, increases the longevity and reduces the maintenance man-days for replacement of Silica gel. The new technology utilises waste heat from top plate of the transformer to minimise moisture content in the air inlet to the distribution transformer breather. The patent was filed in 2016. (Source –Business Standard – 30/09.)
4. China's CRRChas rolled off the biggest and most powerful floating offshore wind turbine from its production line in Yancheng city. The rotor diameter is of 260 meters (853 feet) and Turbine capacity is 20 MW. In comparison, the world's current largest floating offshore wind farm at Hywind Tampen in the North Sea has 11 wind turbines of 8.6 MW only. Currently offshore wind turbine is the only segment of RE where China is not the global leader. (Source – Report on webnews Oilprice).

Policy Initiative

5. On 17th September, Department of Atomic Energy has formally handed over GoI's approval to CMD, NPCIL and CMD, NTPC for formation of JV "Anushakti Vidhyut Nigam Ltd. (ASHVINI) with NPCIL share of 51% and NTPC Ltd. (49%) to Build, Own & Operate nuclear power plants. Additionally GoI approved transfer of Mahi Banswara Rajasthan Atomic Power Project (MBRAPP) 4x700 MWe based on indigenous PHWR technology, from NPCIL to the JV Company ASHVINI. ASHVINI shall also pursue other Nuclear Power Projects in the country. (Source – PIB)
6. On 23rd September, Union Minister Shri Manohar Lal inaugurated COMPUTER SECURITY INCIDENT RESPONSE TEAM – POWER (CSIRT–POWER) facility at NRPC New Delhi. Equipped with advanced infrastructure, cutting-edge cybersecurity tools, and key resources, CSIRT-Power is set to become a cornerstone of the sector's cyber defence, coordinating incident response, establishing a strong cybersecurity framework, and implementing crucial measures to enhance overall preparedness and resilience. (Source – PIB, 23/09).
7. India, under RDSS has set target to install 250 million smart meters by 2025, presenting about Rs two lakh crore opportunity for the metering industry. As of October 2, 2024, around 117.7 million meters have been awarded and 14.5 million installed

as part of the Advanced Metering Infrastructure Service Provider (AMISP) initiative. (Source Energy World).

8. On 14th Oct., Union Power Minster launched the CEA's detailed Nation Electricity Plan (Transmission). The plan aims of transmitting 500 GW of RE power by 2030 and over 600 GW by 2032. The Plan also account for 47 GW of Battery Energy Storage Systems and 31 GW of Pumped Storage. As per the Plan, over 1,91,000 ckm of lines and 1270 GVA of transformation capacity is to be added during 10 yr from 2022-23 to 2031-32 (at 220 kV and above). In addition, 33 GW of HVDC bi-pole links are also planned. The Transmission Plan also covers Cross border interconnections with Nepal, Bhutan, Myanmar, Bangladesh, Sri Lanka as well as probable interconnections with Saudi Arabia, UAE etc. The Plan offers massive investment opportunity of over INR 9,15,000 Cr. by 2032. (Source – PIB- 14/10).

Legal

9. In an important judgement for Discoms officers, Aurangabad Bench of the Bombay High Court has ruled that officers appointed to detect and assess electricity theft under Electricity Act, 2003, are considered 'public servants' under Section 169 of the Act. This designation requires prior sanction from relevant authority as provided in Section 197 of CrPC before legal proceedings can be initiated against them. The ruling came in response to a challenge by three employees of the Maharashtra State Electricity Distribution Co. Ltd. (MSEDCL) against lower court decisions that allowed their prosecution without necessary sanction. (Source -)
10. Calcutta High Court upheld an abitration decision in favour of Anil Ambani's RIL against Damodar Valley Corporation,. More than a decade back, RIL had won a contract from DVC to set up a 1,200 MW thermal plant in Purulia in West Bengal for Rs 3,750 crore. The project was delayed due to disputes and other reasons, leading to DVC seeking damages from RIL. RIL challenged this and an Arbitration Tribunal, in 2019, ruled in its favour directing DVC to pay Rs 896 crore.DVC challenged the order in the High Court.The court dismissed the appeal and upheld the (arbitration) award,with some exceptions, totalling approximately Rs 780 crore. In addition, the bank guarantee of Rs 600 crore will also be released.on (Economic Times –27/09)
11. Putting back on track the biggest bankruptcy resolution in the power sector involving Adani Power's Rs 27,000-crore for the 1,800-MW KSK Mahanadi project, Supreme Court on Monday (14th Oct.) set aside Telangana High Court's order that deferred the insolvency proceedings against the debt-laden company before National Company Law Appellate Tribunal. (Source – ET – 15/10).

Commercial

12. State run Odisha Coal and Power Ltd (OCPL) is looking to auction 3 million tons of its surplus coal via online auctions for power plants at a 15% discount to the base price on the national coal index.India's total domestic coal production rose 7.12% from a year ago to reach 370 million metric tons between April 1 to Aug. 25, according to coal ministry data. (Advt. in TOI –22/09)
13. Feeling the financial strain as payment dues from Bangladesh keep mounting (over $1 billion by 30th September 2024), the five Indian power exporters are now looking at all options to recover the dues including using sovereign guarantee made by Bangladesh Power Development Board (BPDB). The receivables include Adani power (about $ 800 Mn), SEIL energy (about $150 Mn), NTPC (about $80 Mn), PTC (about $79 Mn) and PGCIL (about $20 Mn). (Source - Business Line–30/09)

JVs / MoUs

14. Following the trend of large-scale MOUs, on 26th September, SJVN signed MOUs with Department of Water Resources of Maharashtra for development of five pumped storage projects (PSPs) and floating solar projects of total capacity of 8100 MW with an investment of Rs 48,000 Cr. (Source – ET -26/09)
15. Further, in the rush of MoUs, NTPC Green Energy Limited (NGEL), has signed a MoU with Mahatma Phule Renewable Energy and Infrastructure Technology Ltd. (MAHAPREIT) to develop 10 GW of RE projects in Maharashtra and other states. (Source – Energy World).
16. On September 27, 2024 AP-Genco and NHPC, signed a Joint Venture agreement for development of large-scale RE projects in the State. The JV will facilitate implementation of solar energy and five Pumped Storage Hydropower Projects with an aggregate capacity of 5,070 MW. Further, typical to the trend of overenthusiastic proclamation, the New & Renewable Energy Development Corporation of Andhra Pradesh (NREDCAP) has identified 36 locations for PSHP with a combined capacity of 39,000 MW. (Source – The Hindu).
17. As per information filed to stock exchanges Anil Ambani's Reliance Group has entered Bhutan, announcing plans to develop 1,270 megawatts of solar and hydroprojects in the country. The group has signed a partnership with Druk Holding and Investments Ltd (DHI), the commercial arm of the Bhutanese government, to boost investments in renewable energy. (Source ET -02/10)

CONTRA

18. Contrary to the trend of disinvestment of PSUs in favour of private players,on September 25th, Gujarat Urja Vikas Nigam Ltd., the state discom, in a off market deal, acquired 7.28% stake (3.5 crore shares, value undisclosed) in Torrent Power Ltd. The Gujarat government has an equity holding of 1.47% in Torrent Power, while the Gujarat State Financial Services Ltd. has 9.75%.The Torrent Group firm supplies electricity to the cities of Ahmedabad, Surat, Gandhinagar, Dahej SEZ , Dholera SIR in Gujarat and Union Territory of Dadra & Nagar Haveli, Daman and Diu. (Source – NDTV)
19. In another similar development,Navratna CPSU DVC has emerged as highest bidder in the auction for 2X150 MW plant of of Hiranmaye Energy Ltd. Plant has 25 yr PPA with West Bengal & FSA with Coal India. DVC bid was of 1500 Cr against reserve price of 1300 Cr. It will be DVC's first such acquisition. The insolvency proceeding was initiated by REC due to default on Rs 2500 Cr debt. (Source ET Energyworld)



श्री अशोक कुमार वर्मा की भावभीनी विदाई - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा को सेवानिवृत्ति पश्चात् भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर सहित कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने किया। कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा को पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा पृथक से आयोजित कार्यक्रम में विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, विंग कमाण्डर श्री ए.श्रीनिवास राव,उपमहाप्रबंधक औद्योगिक संबंधद्ध श्री गोपाल खंडेलवाल,उपमहाप्रबंधक श्रीमती अल्पना तिवारी,उपमहाप्रबंधक श्री पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

श्रीमती उमा शर्मा, श्री दिलीप कुमार देवांगन, श्री मकरध्वज साहू, श्री अयोध्या प्रसाद जायसवाल - भार प्रेषण केन्द्र में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में निज सचिव श्रीमती उमा शर्मा ,रायपुर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दिलीप कुमार देवांगन, भिलाई, लाइन परिचारक श्रेणी एक श्री मकरध्वज साहू, कोरबा एवं लाइन परिचारक श्रेणी एक श्री अयोध्या प्रसाद जायसवाल, बिलासपुर को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने किया।





श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला ,श्री मनोहर प्रसाद साहू, श्री पन्ना लाल साहू, श्री दिनेश कुमार गंगराले, श्री उदल सिंह शोरी, श्री पढ़रीनाथ राणे, श्री डी. राजू देवांगन, श्री बाला प्रसाद कुशवाहा - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर एम.डी. ट्रांसमिशन कार्यालय में पदस्थ स्टॉफ ऑफिसर श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला सहित अन्य कार्यालयों में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री मनोहर प्रसाद साहू, श्री पन्ना लाल साहू, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुमार गंगराले, राजनांदगांव से वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री उदल सिंह शोरी, भिलाई से लाइन सहायक श्री पढ़रीनाथ राणे, श्री डी. राजू देवांगन, श्री बाला प्रसाद कुशवाहा को सेवानिवृत्ति पश्चात् विदाई दी। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री एम.एस.चौहान, मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री के.बी. पात्रे, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) श्री मुकेश कश्यप एवं श्री अजय शर्मा, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया।



स्टॉफ ऑफिसर श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला - पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभागद्वारा पृथक से आयोजित कार्यक्रम में विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र, विंग कमाण्डर श्री ए.श्रीनिवास राव, उपमहाप्रबंधक श्री पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

श्री शशिभूषण तिवारी- अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से जून माह में अधीक्षण अभियंता श्री शशिभूषण तिवारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एसके. बंजारा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।





श्री जे एल वर्मा, कार्यपालन अभियंता व श्री सुरेश कुमार सोनी मानचित्रकार - कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह से श्री जे एल वर्मा,कार्यपालन अभियंता व श्री सुरेश कुमार सोनी मानचित्रकार (विद्युत) सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री रोहित कुमार डहरवाल,श्री पी पी कुजूर, श्री अतुल कुमार तिर्की, ललिता खलखो व श्रीमति नंदनी कोसरिया सभी अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण), श्री सी पी पाण्डेय ,सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक (संचा संधा उत्पादन) रायपुर व श्री संदीप श्रीवास्तव ,सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) श्री अतुल कुमार तिर्की एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमति नंदनी कोसरिया अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) ने किया।

श्री शरद कुमार खरे, श्री निखिल कुमार सूर, श्री दीन बंधु बसोड़ एवं श्री गंगादास मानिकपुरी- हसदेव ताप विद्युत गृह से 30 अगस्त को सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त हुए कार्यपालन अभियंता, श्री शरद कुमार खरे, अनुभाग अधिकारी, श्री निखिल कुमार सूर, वरिष्ठ पर्यवेक्षक, श्री दीनबंधु बसोड़ एवं संयंत्र परिचारक श्रेणी-दो, श्री गंगादास मानिकपुरी को पॉवर कंपनी की ओर भावभीनी विदाई दी गई।



कार्यक्रम अति. मुख्यअभियंता - श्री पी. के. स्वेन, श्री एम. के. गुप्ता एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ - श्री ए. के. कुरनाल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेश सिंह कंवर, श्री रवीन्द्र साहू द्वारा आभार व्यक्त किया गया।



श्री तिलक कुमार शाह, श्री मनहरण लाल कैवर्त, श्री विनोद कुमार पांडेय, श्री व्यास नारायण शर्मा एवं श्री भिलेंद्र कुमार कश्यप - हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम से सितंबर माह में सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर अधिकारियों / कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री सुरेश सिंह कंवर द्वारा किया गया।

सुधीर ताम्रकार - दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ निज सचिव श्री सुधीर ताम्रकार के सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री एस. मनोज द्वारा श्री ताम्रकार को शाल-श्रीफल से सम्मानित किया गया एवं प्रमाण पत्र तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर शुभकामनायें दी गई।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अभियंता कार्यालय दुर्ग से बघेरा जोन में स्थानांतरित हुए कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री पुनेन्द्र कुमार पटेल को भी भावभीनी बिदाई दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री डी.के.डुम्भरे, कार्यपालन अभियंता द्वय श्रीमती सनीली चौहान एवं श्रीमती अनसुईया ठाकुर तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री संतोष साहू सहित सभी कार्यालीन स्टाफ उपस्थित रहे।

खेल सितारा



दिव्या आमदे
टेबल टेनिस में अ.भा. स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता

दिव्या आमदे, सहायक अभियंता, कार्यालय अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त-1), रायपुर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यरत हैं। उनकी उपलब्धियों की कहानी उनकी जुबानी प्रस्तुत है-

सन् 2009 से मुझे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मे कनिष्ठ अभियंता के पद पर अपनी सेवा देने का अवसर प्राप्त हुआ। स्कूल, कॉलेज के समय खेल के प्रति इतना रूझान नहीं था, शायद इसलिए भी क्योंकि उस समय शैक्षणिक कार्य में ही अपने आप को केन्द्रित कर दिया था पर किसी प्रख्यात कंपनी मे कार्य कर अपना कॅरियर बनाने के पश्चात् आप अपने अन्य रूचि के कार्य करने हेतु स्वतंत्र होते हैं। कंपनी में आने पश्चात् सहकर्मियों को टेबल टेनिस खेलते देखने से मेरी रूचि भी इस खेल के प्रति विकसित हुई। तत्कालीन खेल सचिव एवं अभियंता संघ के सचिव श्री पी.के. खरे सर के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन में इस खेल में अपना हाथ अजमाया। टेबल टेनिस खेल को चुनने का एक यह भी कारण रहा कि यह इंडोर गेम है व सुरक्षित है शुरुआती दिनों में केवल फिटनेस के लिए इस खेल को खेलना प्रारंभ किया, फिर समय के साथ व अभ्यास करते करते खेल में रुचि व निपुणता बढ़ने लगी। प्रतिदिन की नित्य क्रिया में मैंने इसे शामिल किया और अब एक दिन भी टेबल टेनिस से दिन की शुरुआत नहीं की तो दिनचर्या में कुछ कमी का अहसास होता है और अपने आप में भी ऊर्जावान महसूस नहीं होता है। प्रतिदिन अभ्यास से खेल में तो निखार आता है, साथ ही साथ नित्य नए कर्म करने तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख, चुनौतियों का सामना करने आत्मविश्वास भी बढ़ता रहता है।

टेबल टेनिस तकनीक से खेले जाने वाला खेल है, लगातार अभ्यास से ही निपुणता हासिल होती है। मेरे द्वारा बचपन से इस खेल को न सीखने की वजह से बहुत सी कठिनाईयां आई, पर सीखने की चाह, खेलने के जुनून तथा लगातार बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश से मुझे ये सफलता प्राप्त हुई है। प्रारंभ में यह खेल मैंने स्वस्थ रहने के लिए शुरु किया, परंतु जब इस खेल में अच्छी तैयारी के साथ प्रतिस्पर्धाओं में मैंने भाग लेना शुरु किया तब जीत व मेडलों को देखकर मेरा हौसला और बढ़ गया। मेरा यह मानना है कि जिंदगी को बेहतर बनाने शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने के लिए नियमित खेलना जरूरी है।

प्रारंभ मे मैं बहुत से मैच हारी, इस अनुभव से रणनीति बनाकर खेलने का कौशल विकसित हुआ। मुझे टेबल टेनिस खेलते हुए 14 साल हो गए हैं, इस अवधि मे मैंने विभिन्न प्रतियोगिताओं (जिला स्तरीय, राष्ट्रस्तरीय, अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय) में हिस्सा लिया, और सफलता हासिल की। पॉवर कंपनी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता में 4 बार हिस्सा लिया, जिसमें 2 बार एकल प्रारूप में स्वर्ण पदक, 3 बार टीम प्रारूप में स्वर्ण पदक, 2 बार डबल प्रारूप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जिसके कारण मुझे पॉवर कंपनी द्वारा पुरूस्कृत भी किया गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के लिए मेडल जीतना मेरे लिए हर्ष व गौरव की बात है। यहां खिलाड़ियों को दूसरे राज्यों की अपेक्षा खेल व अभ्यास के लिए छुट्टियां मिल जाती है, समय-समय पर खिलाड़ियों को जरूरत अनुसार खेल सामाग्री, परिसर का निर्माण व अच्छे कोच द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने में हमारे खेल परिषद के अधिकारियों का विशेष योगदान रहता है। इस अनुकूल वातावरण में खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और मेडल लाने के लिए अधिक प्रयासरत रहते हैं। इसी मंत्र के साथ मैं अपने हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेती हूं।

मैंने राष्ट्र स्तरीय टेबल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2021 (सेंट्रल जोन) मध्यप्रदेश, 83वी सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2021, 30वी राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2023 में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी का प्रतिनिधित्व किया।

क्र.	प्रतियोगिता का नाम	स्थान	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान
1.	41 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता 2015-16	अरकूवेली (आंध्रप्रदेश)	प्रथम (टीम प्रतियोगिता) द्वितीय (डबल्स प्रतियोगिता) प्रथम (सिंगल प्रतियोगिता)
2.	42 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता 2017-18	तिरूपति (आंध्रप्रदेश)	प्रथम (टीम प्रतियोगिता) प्रथम (डबल्स प्रतियोगिता) तृतीय (सिंगल प्रतियोगिता)
3.	43 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता 2018-19	इरोड (तमिलनाडु)	प्रथम (डबल्स प्रतियोगिता) प्रथम (सिंगल प्रतियोगिता) तृतीय (टीम प्रतियोगिता)
4.	45 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता 2023-24	चेन्नई (तमिलनाडु)	प्रथम (टीम प्रतियोगिता) द्वितीय (सिंगल प्रतियोगिता) तृतीय (डबल्स प्रतियोगिता)

खेल सितारा



श्री योगेश प्रधान

निज सहायक, कार्यालय अधीक्षण अभियंता (वृत्त) रायपुर

क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी एवं बॉलीबाल खेल में महारत

लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय अधीक्षण अभियंता (वृत्त) रायपुर में कार्यरत निज सहायक श्री योगेश प्रधान द्वारा अविभाजित मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में मई 1986 में शीघ्रलेखक पद में जिला सीधी (मध्यप्रदेश) से अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की थी।

श्री योगेश प्रधान को अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के अवसर पर लाइफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों की कहानी उनकी जुबानी प्रस्तुत है। मैं कार्य के अतिरिक्त खेलों में अत्याधिक रूचि होने की वजह से वर्ष 1986 में ही मैंने टेबल टेनिस खेल में जबलपुर क्षेत्र से बतौर कप्तान टीम का प्रतिनिधित्व किया था, मेरे द्वारा वर्ष 1988 से उत्पादन क्षेत्र (बीरसिंगपुर ताप विद्युत संयंत्र मध्य प्रदेश) की टीम से खेलों में प्रतिनिधित्व करते थे। मैने क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित विभागीय प्रतियोगिता क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी एवं बॉलीबाल खेल में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही अपने खेल कौशल/ अनुभव से अन्य साथी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित/मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। श्री योगेश प्रधान द्वारा फुटबाल खेल में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल एवं छत्तीगढ़ स्टेट विद्युत मंडल 10 साल प्रतिनिधित्व किया गया, इसी तरह टेबल टेनिस खेल में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी का 15 साल प्रतिनिधित्व किया गया। इसके अतिरिक्त मैंने वर्ष 2022-23 सत्र में अखिल भारतीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया। 38 वर्ष की सेवा पूर्ण करते हुए अक्टूबर 2024 में कंपनी की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहा है।

विविध प्रतिभा-सम्मान

चि. अर्चित श्रीवास्तव -



डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) कार्यालय में कार्यरत प्रबंधक श्री विकास श्रीवास्तव के सुपुत्र कक्षा दूसरी के छात्र अर्चित ने चौथे वेस्ट जोन कराटे प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है। यह प्रतियोगिता इंदौर में 16- 18 अगस्त तक आयोजित हुई थी। अर्चित ने सब जूनियर ग्रुप में 20 किलोग्राम वर्ग में कुमेटी फाइट स्पर्धा में भाग लिया था। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और गोवा के एक हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

श्रीमतीअनिता डुमरे-



छत्तीसगढ़ स्टेट ट्रांसमिशन कम्पनी के डंगनिया, रायपुर स्थित औषधालय में सीनियर नर्सिंग स्टॉफ के पद पर कार्यरत श्रीमती अनिता डुमरे जी ने भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पाठयक्रम से प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग चिकित्सा में डिप्लोमा प्राप्त किया। श्रीमती डुमरे संगीत तथा अन्य ललित कलाओं में भी निपुण एवं विभिन्न आयोजनों में सक्रिय है।

श्री नवीन नागतोड़े-



श्री नवीन नागतोड़े को फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा बेस्ट फार्मासिस्ट के लिए प्रशस्ति पत्र व बधाई पत्र दिया गया। श्री नवीन नागतोडे ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से एम फार्मेसी में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस हेतु उन्हे स्वर्ण पदक प्रदान किया गया था। वे सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री रामेश्वर नागतोड़े के पुत्र है।



बिजली की... कहानी 1

उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

बिजली को लेकर बहुत सी रोचक अवधारणाएं प्रचलित है जैसे कि बिजली ऊर्जा का एक रूप है जो ब्रह्माण्ड में हमेशा से मौजूद रहा है। बिजली के बारे में दुनिया को पहला ज्ञान अगस्त्य ऋषि ने दिया था जो राजा दशरथ के कुलगुरु वशिष्ट ऋषि के बड़े भाई थे। बादल में जो बिजली चमकती है वह बिजली और बिजलीघरों में बनाई जाने वाली बिजली में फर्क उसके मूल स्वभाव को लेकर नहीं बल्कि उसकी तीव्रता को लेकर है।

भौतिक घटनाओं के समूह के रूप में सीधे बतौर प्रौद्योगिकी बात करें तो बिजली के अविष्कार को लेकर एक सुनिश्चित क्रम दिखाई पड़ता है। सबसे पहला नाम 600 ईस्वी पूर्व थेल्स का आता है जो यूनान के भौतिक वैज्ञानिक थे। इसके बाद सन् 1550 में गिरोलामो कार्डोनो का नाम आता है जिन्होंने स्थैतिक बिजली पर एकत्रित पहले डेटा को विश्लेषित किया था। उसके बाद सन् 1752 में एक बहुत बड़ा नाम आता है बेंजामिन फ्रेंकलिन का जिनका पतंग का प्रयोग बहुत लोकप्रिय हुआ और जिसने वास्तव में बिजली के अनुसंधान को एक नई दिशा दी। फ्रेंकलिन ने पतंग की डोरी के आखिर सिरे में एक चाबी लगाई और उसे बादलों से भरे आसमान में उड़ाया। जब बारिश में डोरी भीगी तो फ्रेंकलिन के हाथ में झटका-सा लगा, तब फ्रेंकलिन ने यह साबित किया कि स्थैतिक बिजली और रौशनी एक ही चीज है अर्थात् आकाशीय बिजली भी वास्तव में बिजली का ही एक रूप है। एक अध्ययन बताता है कि आसमान से गिरने वाली बिजली 10 करोड़ वोल्ट की होती है। जबकि जिस बिजली का हम घरों में उपयोग करते है वह मात्र 220 वोल्ट या इससे भी कम वोल्ट की होती है। फिर फ्रेंकलिन ने बिजली के सकारात्मक और नकारात्मक आवेशों (पॉजिटिव एंड निगेटिव करंट) को बहुत सफाई से परिभाषित किया।

सन् 1879 में थॉमस एडिसन ने बिजली के बल्ब का अविष्कार करके वास्तव में बिजली को युग परिवर्तनकारी उपयोग के स्वरूप में ला खड़ा किया। हालाकि एडिसन का योगदान बिजली के खोजकर्ता के रूप में याद नहीं किया जाता बल्कि उनकी खोज एले सेंड्रो वोल्टा के वोल्टेइक पाइल शोध पर आधारित थी, जिन्होंने सन् 1800 में पहली बार विद्युत सेल बनाया जिससे विद्युत की धारा प्राप्त की जा सकती थी। सन् 1831 में माइकल फैराडे ने बड़ा क्रांतिकारी काम किया और उन्होंने बताया कि यदि तांबे के तार से बनी हुई एक क्वाइल में चुम्बक को आगे-पीछे किया जाये तो बिजली पैदा हो जाती है। उनके इसी सिद्धांत के माध्यम से विद्युत पैदा करने की प्रणाली और जनरेटर का विकास हुआ। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए जर्मन में सन् 1867 में पहली बार सफल विद्युत डायनेमो बनाया गया। सन् 1857 में अमेरिका में गिरते हुए पानी की मदद से टरबाइन को चलाकर विद्युत पैदा करने का सफल प्रयोग किया गया और इस तरह जल और ताप विद्युत उत्पादन केन्द्रों का मार्गप्रशस्त हुआ।

एडिसन वे पहले वैज्ञानिक माने जाते हैं जिन्होंने एक ताप द्वीप्त कार्बन फिलामेंट के माध्यम से लंबे समय तक चलने वाली विद्युत धारा को प्रवाहित करने में सफलता प्राप्त की थी। इस फिलामेंट को एक काँच के बर्तन में रखा गया जो कुशलतापूर्वक रोशन को बढ़ाता था और सड़कों तथा घरों को रोशन करने का रास्ता दिखाता था।

भारत में बिजली

थॉमस एडिसन द्वारा सन् 1879 में किया गया अविष्कार मात्र 10 वर्षों बाद भारत पहुंच गया था। तब के कलकत्ता (कोलकाता) में विद्युत प्रकाश का पहला प्रदर्शन 24 जुलाई,1879 को पी.डब्ल्यू फ्लेरी एण्ड कंपनी द्वारा किया गया था। फिर 7 जनवरी, 1897 को किलबर्न एण्ड कंपनी ने इंडियन इलेक्ट्रिक कंपनी के एजेण्ट के रूप में कलकत्ता इलेक्ट्रिक लाइटिंग लाइसेंस हासिल किया जिसे 15 जनवरी, 1897 को लंदन में पंजीकृत किया गया। इस तरह कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई कार्पोरेशन नामक संस्था का जन्म हुआ। इसी बीच मुंबई में पहली बार विद्युत प्रकाश का प्रदर्शन सन् 1882 में क्राफर्ड मार्केट में हुआ और इसके बाद बाम्बे इलेक्ट्रिक सप्लाई एवं ट्रामवेज कंपनी (बेस्ड) ने सन् 1905 एक जनरेटिंग स्टेशन की स्थापना ट्राम वे वे को बिजली प्रदान करने के लिए की।

इस बीच बिजली के सार्वजनिक उपयोग का विकास अनेक समानान्तर धाराओं में होता रहा। भारत में पहला जल विद्युत संयंत्र सन् 1897 में दार्जिलिंग नगर पालिका के लिए सिद्रपोंग में एक चाय बागान के पास लगाया गया। एशिया में पहली इलेक्ट्रिक स्ट्रीट लाईट 5 अगस्त 1905 को बैंगलोर में जलाई गई। भारत में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन 3 फरवरी 1925 को तब के बाम्बे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चलाई गई और भारत की पहली उच्चवोल्टेज प्रयोगशाला 1947 में जबलपुर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थापित की गई। वहीं ताजा इतिहास गवाह है कि 18 अगस्त 2015 को दुनिया का पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित हवाई अड्डा, भारत का कोचीन अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन गया है। भारत में बिजली उत्पादन को लेकर बहुत उतार-चढ़ाव आये लेकिन 29 मार्च, 2017 को भारत पहली बार बिजली का शुद्ध निर्यातक देश बन गया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार 29 मार्च, 2017 को पहली बार भारत में यह स्थिति आई कि भारत ने पड़ोसी देशों को 5798 गीगावाट घण्टा बिजली निर्यात की जबकि कुल आयात 5585 गीगावाट घण्टा था।

भारत में विद्युत ऊर्जा सहित ऊर्जा के विकास का इतिहास और प्रगति बहुत ही गौरवशाली है।

व्हाया सीपी एंड बरार-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में विद्युत विकास की कहानी को समझने के लिए व्हाया सीपी एंड बरार-



सेवानिवृत्त ई.डी. श्री विमल कुमार अवस्थी बताते हैं कि उस जमाने में 4 मेगावॉट का बिजली घर होना भी बड़ी बात थी क्योंकि रायपुर और बिलासपुर की कुल मांग इससे ज्यादा नहीं थी । 33 केवी की पहली लाइन का एक नेटवर्क बना जो कुछ उपायों से बिलासपुर से जुड़ता था । भिलाई, सिमगा,तोरवा के बीच इसके कुछ अवशेष आज भी दिखते हैं ।

▪ श्री विमल कुमार अवस्थी
सेवानिवृत्त ई.डी.

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ आना होगा। दरअसल आजादी के पहले बिजली के उत्पादन, पारेषण तथा वितरण को लेकर कोई समन्वित प्रयास नहीं हुए जिसके कारण विद्युत का लाभ उस जमाने के शक्ति तथा साधन संपन्न लोगों को ही मिलता था। ज्यादातर राजा-रजवाड़े या धनवान लोग ही डीजी सेट लगाकर अपने महलों और प्रभाव क्षेत्रों में बिजली का उपयोग कर पाते थे।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के पहले, राज्य का नाम सीपी एंड बरार था। इस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के इतिहास को समझने के लिए सीपी एंड बरार के इतिहास को समझना पड़ेगा। पुराने मध्यप्रदेश अर्थात सी.पी.एण्ड बरार की राजधानी नागपुर में सन् 1905 में बिजली के कुछ लट्टू, नागपुर इलेक्ट्रिक लाइट एण्ड पावर कंपनी के प्रयासों से जगमगाए थे। पुराने मध्यप्रदेश में बिजली के प्रवेश की यह प्रथम घटना बताई जाती है।

डीजी सेट्स का जमाना

देश में विद्युत विस्तार के नियामक स्वरूप में प्रथम प्रयास के रूप में भारतीय विद्युत अधिनियम 1910 को याद किया जाता है। जिसके तहत शासन द्वारा विद्युत उत्पादन तथा वितरण हेतु लायसेंस देने की प्रणाली प्रारंभ हुई। करीब 40 वर्षों तक इसी प्रकार लायसेंसधारियों द्वारा छोटे छोटे सीमित क्षमता के डीजल सेट्स के माध्यम से कुछ प्रमुख शहरों में संपन्न वर्ग के सीमित उपभोक्ताओं को प्रकाश के लिए विद्युत प्रदान की जाती रही। संस्थाओं को लायसेंस प्रदान करने की तिथि के आधार पर उन शहरों में बिजली पहुंचने के इतिहास का क्रम निर्धारण किया जा सकता है जो इस प्रकार होगा- रतलाम-1919, खंडवा-1923, जबलपुर 1925, महू-1929, अलीराजपुर-1929, सागर-1930, बुरहानपुर-1931, बिलासपुर-1934, कटनी-1934, छिंदवाड़ा-1936, हरदा-1936, सिवनी-1937, खिलचीपुर-1937, सीतामऊ-1937, मंदसौर- 1938, बड़नगर-1938, शाजापुर-1938, देवास-1940, गुना- 1941, भिलसा-1944, झाबुआ-1945, सीहोर-1946। कालान्तर में यह सभी लायसेंसधारी संस्थायें मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में समाहित हो गई। यह सिलसिला आजादी के बाद कुछ वर्षों तक चलता रहा। बड़े पैमाने पर विद्युत उत्पादन हेतु सन् 1936-37 में उत्तरप्रदेश के मुख्य अभियंता (सिंचाई) सर विलियम स्टाम्प के परामर्श पर तोतलाडोह में पेंच नदी के मुहाने सहित कुछ स्थानों पर जल विद्युत गृह की स्थापना हेतु सर्वे किया गया। सन् 1938-39 में नागपुर वर्धा क्षेत्र में सर विलियम स्टाम्प की सलाह पर ही सी.पी. सिंडिकेट द्वारा भार सर्वेक्षण किया गया।

नागपुर-जबलपुर को बढ़त

इस बीच नागपुर में 3000 किलोवाट तथा जबलपुर में 4500 किलोवाट क्षमता का विद्युत गृह स्थापित हुआ। नागपुर में बिजली कन्हान वाटर वर्क्स में था। नागपुर से कन्हान तक 10 मील तक 11 किलोवाट की लाइन बिछाई गई थी। पूरे प्रदेश में सन् 1942 में यह सर्वाधिक लंबी तथा सर्वाधिक वोल्टेज की लाइन थी। यहां 2 कपड़ा मिलों एम्प्रेस मिल ने 3000 किलोवाट तथा मॉडल मिल ने 1000 किलोवाट का खुद का विद्युत गृह लगाया। इसके बाद हिंगनघाट, अकोला, पुलगांव की कपड़ा मिलें भी स्व-उपयोग के लिए बिजली बनाने लगीं। दूसरी ओर जबलपुर में जबलपुर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी मुख्य रूप से गन कैरिज फैक्टरी को विद्युत आपूर्ति करती थी।

1939 से 1942 का समय युद्ध की विभीषिका का रहा। इस दौरान अंग्रेज शासकों को विद्युत का विकास नहीं होने के दुष्प्रभावों का अहसास काफी गंभीरता से हुआ। जबलपुर में उपलब्ध विद्युत गृह की क्षमता सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने में नाकाम साबित हुई। अतः जबलपुर में इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी की क्षमता वृद्धि की गई। इस दौर में रायपुर तथा बिलासपुर सी.पी. एण्ड बरार के सबसे पिछड़े एवं अविकसित क्षेत्र थे।

तब के 4 विद्युत जिलों में बिलासपुर भी

युद्ध के पश्चात् सी.पी. एण्ड बरार के विद्युत विकास की एक विस्तृत योजना के निर्माण हेतु सन् 1945 में मद्रास के मुख्य अभियंता (विद्युत) सर हेनरी होवार्ड को परामर्शदाता नियुक्त किया गया। उन्होंने पूरे राज्य को नागपुर, अकोला, जबलपुर तथा बिलासपुर, विद्युत जिलों में विभाजित करने की अनुशंसा की। सर होवार्ड की अनुशंसाओं में प्रत्येक जिले में विद्युत गृह स्थापित करना तथा जिलों के बीच विद्युत पारेषण हेतु 66 के.वी. लाइन बिछाने का कार्य भी शामिल था। इस योजना के अनुसार ही सर्वप्रथम नागपुर विद्युत जिले का गठन हुआ। नागपुर विद्युत जिले में छिंदवाड़ा भी शामिल था।

सर हेनरी होवार्ड की अनुशंसा पर ही नागपुर से 8 किलोमीटर दूर पेंच नदी के किनारे खापरखेड़ा में केन्द्रीय ताप विद्युत गृह स्थापित करने का निर्णय लिया गया। यूनाइटेड किंगडम के मेसर्स मैजमेकलेनिन को परामर्शदाता नियुक्त किया गया। सन् 1945 में खापरखेड़ा विद्युत गृह हेतु यू.के. की फर्मों को संयंत्र एवं उपकरण आपूर्ति के आदेश जारी किए गए। इस विद्युत गृह से नागपुर, वर्धा, बल्लारशाह, पुलगांव, अमरावती तथा छिंदवाडा को विद्युत आपूर्ति की जाती थी।

भारतीय विद्युत अधिनियम 1948 मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के साथ छत्तीसगढ़ भी अव्वल

आजादी के बाद आज बिजली का जो साम्राज्य मध्यप्रदेश में स्थापित है उसका शिलान्यास भारतीय विद्युत अधिनियम 1948 द्वारा ही हुआ था। यह अधिनियम जम्मू कश्मीर को छोड़कर शेष भारत में 10 सितंबर 1948 को लागू हुआ था। यह अधिनियम देश में विद्युत विकास के लिए वरदान साबित हुआ। इसके तहत विद्युत के उत्पादन पारेषण एवं वितरण का अधिकार राज्य विद्युत मण्डलों को सौंपा गया। इसके साथ ही बिजली निजी हाथों, बड़े शहरों तथा संपन्न वर्गों के एकाधिकार से मुक्त हुई। साथ ही विद्युत के सुनियोजित विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस अधिनियम के अन्तर्गत मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल का गठन 9 सितंबर 1950 को हुआ। इस प्रकार आजाद भारत का सर्वप्रथम राज्य विद्युत मण्डल होने का गौरव मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हुआ। उस वक्त छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश का ही हिस्सा था अतः यह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की एक साझा उपलब्धि थी।

वहीं स्वतंत्र भारत के पहले विद्युत मण्डल का प्रथम विद्युत गृह होने का श्रेय खापरखेड़ा विद्युत गृह को मिला। उस दौर में 3×10 मेगावाट





(30 मेगावाट) क्षमता का विद्युत गृह देश के लिए भी गौरवमयी उपलब्धि माना गया। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने बॉयलर की अग्नि प्रज्वलित कर 27 दिसंबर 1950 को इस विद्युत गृह का लोकार्पण किया गया। प्रथम पंचवर्षीय योजना काल के प्रथम वर्ष 1951 में ताप विद्युत गृहों की स्थापना की दृष्टि से प्रदेश को तीन क्षेत्रों में बांटा गया। उत्तरी क्षेत्र में जबलपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी तथा दक्षिणी क्षेत्र में खापरखेड़ा में विद्युत गृह उपलब्ध था। पूर्व क्षेत्र में रायपुर में एक 4 मेगावाट का विद्युत गृह स्थापित किया गया।

रायपुर विद्युत उत्पादन केन्द्र

यह जानना बहुत दिलचस्प होगा कि रायपुर में भी एक बिजली घर स्थापित किया गया था जिसका नाम था रायपुर विद्युत उत्पादन केंद्र। इन पंक्तियों के लेखक ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के बहुत से लोगों से इस बिजली घर का पता पूछने का प्रयास किया लेकिन 15-20 वर्षों से उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी नहीं पता था कि यह बिजली घर किस स्थान पर लगाया गया था। बहुत खोजने पर वह शेड दिखाई दिया जो वर्तमान के एक दफ्तर मीटर टेस्टिंग यूनिट का पिछवाड़ा है। वहां भीतर जाने पर पिछवाड़े में आज भी वह शेड मौजूद मिला जहां बिजली उत्पादन होता था। उस जमाने के जनरेटर का कुछ जर्जर, कबाड़ भी वहां मौजूद है। और जब पीछे से बाहर की ओर खुली जगह पर निकलो तो बकायदा वह मुख्य द्वार मिला जो उस बिजली घर का मुख्य द्वार था। वहां शेड की बाहरी दीवार पर एक शिलालेख आज भी मौजूद है, इसी भग्नद्वार के सामने रेल की कुछ पटरियों के अवशेष दिखाई पड़ते हैं।

सेवानिवृत्ति की कगार पर पहुंच चुके वाहन चालक श्री उत्तम कुमार पाल ने बताया कि वे अपने बचपन में इस बिजली घर को देखने आए थे। उनके कुछ परिचित यहां मजदूरी का काम करते थे। बाद में श्री पाल खुद मजदूरी करने लगे। श्री पाल ने बताया कि रेल की पटरियां, वैगन, ऑयल, भण्डारण कहां कैसे होता था, सब याद है। यह सब स्थान आज भी चिन्हांकित किए जा सकते हैं। रेल की पटरियां उखड़े अभी बहुत अधिक समय नहीं हुआ है। बिजली घर बंद होने के बाद वहां लाइनमेन ट्रेनिंग सेंटर बना। यह ट्रेनिंग सेंटर नये भवन में स्थानांतरित होने के बाद यहां एम.टी.आर.यू. आया। आज भी वहां बड़े हिस्से की छत वही है जो उस जमाने में बिजली घर का शेड हुआ करती थी। जनरेटर के पीछे की ओर आज भी बहुत बड़ी सीमेंटेड जगह दिखाई पड़ती है जो उस जमाने में पानी की टंकी हुआ करती थी जहां से बॉयलर में पानी आता-जाता था। बात करते हुए जैसे श्री पाल की आंखों में वह बिजली घर जीवंत हो गया था। शिलालेख, शेड, कुछ कण्डम उपकरण आदि भी अभी भी वहां मौजूद हैं। दो-ढाई दशक से गुढ़ियारी के बहुत से बिजली दफ्तरों में काम करने वाले लोग तो बस यही जानते हैं कि विद्युत मण्डल का ऑफिस होने के कारण उस क्षेत्र को 'पॉवर हाऊस' कहा जाता है।

वर्ष 1951 में रायपुर के अलावा नेपानगर में नेपा पेपर मिल्स के लिए 17.5 मेगावाट क्षमता का ताप विद्युत गृह तथा दुर्ग, पचमढ़ी एवं दमोह में डीजल चलित विद्युत गृह स्थापित किए गए। 1951 में प्रदेश में स्थापित विद्युत गृहों की कुल क्षमता 39.28 मेगावाट थी जो योजना के अंत 1956 में बढ़कर 81.5 मेगावाट हो गई जिसमें निजी क्षेत्र का हिस्सा 24 मेगावाट था। 1 नवंबर 1956 को राज्यों के पुनर्गठन के पश्चात् 1 अप्रैल 1957 से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल ने भी नए मध्यप्रदेश की सीमाओं में कार्य प्रारंभ किया।

1 अप्रैल 1952 को राज्य शासन के विद्युत विभाग से संपत्ति एवं दायित्वों के हस्तांतरण के बाद मण्डल ने विधिवत स्वतंत्र संस्थान के रूप में कार्य प्रारंभ किया। आजादी के बाद देश के योजनाबद्ध, त्वरित एवं सर्वांगीण विकास के लिए पंचवर्षीय योजनाओं का सूत्रपात किया गया।

सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री पी.एन .सिंह बताते हैं कि भिलाई पॉवर हाउस स्टेशन या बस्ती का नामकरण ही वहां के बिजली घर के नाम पर पड़ा । नयापारा, रायपुर में भी मोहल्ले के एक हिस्से का नाम पॉवर हाउस है । अब वहां वितरण कंपनी के कुछ दफ्तर हैं । एक बिजली घर खारुन नदी के पास भी था, जो वॉटर वर्कस के लिये ही डेडिकेटेड था । इस तरह रायपुर में निश्चय ही गुढ़ियारी उस दौर का सबसे बड़ा पॉवर हाउस था ,लेकिन नयापारा और वाटर वर्कस के पॉवरहाउस का भी महत्वपूर्ण योगदान था ।

▪ श्री पी.एन .सिंह
सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता

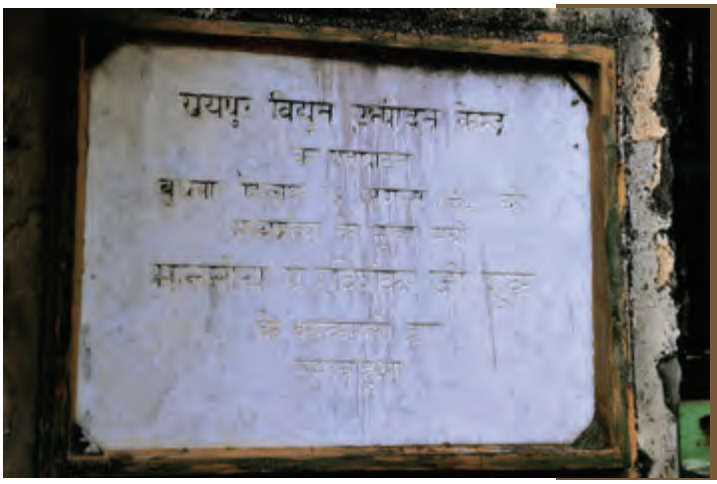

''रायपुर विद्युत उत्पादन केंद्र का उद्घाटन बुधवार दिनांक 15 अगस्त 1951 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय पं. रविशंकर जी शुक्ल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।'



पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

अपने घर की छत पर अपना बिजली घर

प्रिय भाइयों और बहनों,

जय जोहार!

हमारे सौर मंडल में ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। सौर ऊर्जा को ग्रीन एनर्जी भी कहते हैं क्योंकि इससे बिजली उत्पादन में प्रदूषण नहीं होता। यदि लोगों के घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जाए तो यह बिजली आम जनता को निःशुल्क मिलेगी। ऐसी बहुत बड़ी सोच के साथ हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ''प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना'' शुरू की है। इसके तहत मार्च 2027 तक देश में एक करोड़ घरों में ''रूफ टॉप सोलर प्लांट'' लगवाने का संकल्प उन्होंने लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिये हमने छत्तीसगढ़ में 5 लाख रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि एक से तीन किलोवॉट तक का सोलर प्लांट लगाने के लिये सरकार 30 हजार से 78 हजार रूपये तक का अनुदान दे रही है। तकनीकी रूप से तीन किलोवॉट के सोलर प्लांट में हर माह औसतन 300 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। आपकी छत पर उत्पादित पूरी बिजली, यदि आपके घर में उपयोग नहीं होती तो वह पॉवर कंपनी में समायोजित की जाएगी। इसका फायदा भी आपको मिलेगा।

मेरा अनुरोध है कि आप पीएम सूर्यघर योजना के पोर्टल या मोबाइल ऐप में जाकर पंजीयन कराएं और इस योजना के सभी लाभ उठाएं। मुझे विश्वास है कि यह योजना ''बिजली बिल हाफ'' नहीं बल्कि ''बिजली बिल समाप्त'' कर देगी। यानी आपको 3 किलोवॉट के सोलर प्लांट पर 300 यूनिट बिजली हर माह मुफ्त मिलेगी। आप गर्व कर सकेंगे कि आप खुद बिजली के उत्पादक भी हैं और उपभोक्ता भी। इसलिए आइये, अपने घर को पीएम सूर्यघर बनाने के लिये जल्दी से जल्दी पंजीयन कराइये।

जय हिंद! जय छत्तीसगढ़!

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

www.pmsuryaghar.gov.in // Play Store - PMSURYAGHAR (Mobile App)

CSPDCL

बिजली के साथ
सबका विकास

CSPDCL

कृषि पंप ऊर्जीकरण

- किसानों को सिंचाई पंप कनेक्शन सुलभ कराने हेतु अनुदान देने की योजना
- सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण हेतु आवश्यक विद्युत लाइनों के विस्तार के लिए प्रावधान
- किसानों को सिंचाई पंप कनेक्शन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित एनीकट तथा राज्य में नदी-नालों के किनारे पम्पों के लिये आवश्यक विद्युत लाइन की स्थापना हेतु अनुदान की राशि प्रति पंप 1,00,000 रु.
- इस राशि में बचत होने पर 1,50,000 रु. तक के लाइन विस्तार के कार्य किये जाने का प्रावधान
- अब तक 5,57,219 कृषि पंपों का ऊर्जीकरण



वर्ष 2024-25 हेतु राज्य शासन के बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान



state power comp PR